छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

मंगलवार 01 सितंबर 2026

वर्ष-07, अंक-244

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

ब्रिक्स समिट से पहले सीजेआई के मार्च पर रोक की मांग खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अप्रिय घटना का आधार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को लुटियंस दिल्ली में सीजेआई के प्रस्तावित मार्च पर 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट के बाद तक रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अभी ऐसी कोई ठोस वजह नहीं है, जिससे ये माना जाए कि कोई अप्रिय घटना होगी। सीजेआई सूर्य कांत ने कहा कि अधिकारियों से उम्मीद की जाती है कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखेंगे और ये सुनिश्चित करेंगे कि सभी पक्ष शांतिपूर्ण, जिम्मेदार और कानून के मुताबिक व्यवहार करें। सुप्रीम कोर्ट ने सीजेआई अन्य ग्रुप के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों को टालने से इंकार किया। साथ ही ऐसे प्रदर्शनों के आयोजकों को कोर्ट में बुलाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया।

ड्राइविंग लाइसेंस के नए नियम, टेस्ट से पहले देखना होगा 3 घंटे का वीडियो

नई दिल्ली। तेलंगाना में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नियम सख्त हो गए हैं। अब आवेदन करने वाले लोगों को ड्राइविंग टेस्ट से पहले यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा से जुड़े तीन घंटे के वीडियो देखना अनिवार्य होगा। ड्राइविंग लाइसेंस के नए नियम, टेस्ट से पहले देखना होगा 3 घंटे का वीडियो।।। इस राज्य में सरकार का फैसलातेलंगाना में वाहन चालकों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस के नियम बदल गए हैं। तेलंगाना परिवहन विभाग ने स्थायी लाइसेंस चाहने वालों के लिए नियमों को और सख्त करने का फैसला किया है। अब से लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा से संबंधित तीन घंटे के वीडियो देखने होंगे। टेस्ट की अनुमति दी जाएगी।

जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह में कॉकरोच ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली। ओडिशा के विश्व प्रसिद्ध पुरी जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह के आसपास चूहों और कॉकरोचों की मौजूदगी ने मंदिर प्रशासन और सेवायतों की चिंता बढ़ा दी है। मंदिर प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान तलाश रहा है। जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह में कॉकरोच ने बढ़ाई टेंशन, खत्म करने के लिए क्या करेगा ट्रस्ट? ओडिशा के विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर के गर्भगृह में चूहों और तिलचट्टों की मौजूदगी ने सेवायतों की चिंता बढ़ा दी है। चूहे और कॉकरोच भगवान के पवित्र शरीर को किसी तरह की क्षति पहुंचाएं, इसके लिए मंदिर प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान तलाश रहा है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) कार्यालय में बैठक हुई।ये बैठक पुरी के जिला कलेक्टर दिव्यज्योति परिडा ने की।

अब तक किसी भी कानूनी शिक्षाविद को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त नहीं किया गया SC के जज ने उठाए सवाल,

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने संविधान के एक ऐसे प्रावधान पर सवाल उठाया है, जिसका पिछले 76 साल से इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संविधान मयानी प्रतिष्ठित कानून विशेषज्ञ को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाने का प्रावधान मौजूद है, लेकिन संविधान लागू होने के 76 साल से ज्यादा समय बाद भी इसका इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह अफसोस की बात है कि संविधान का यह प्रावधान अब तक निष्क्रिय बना हुआ है।उन्होंने कहा कि देश में संविधान को लागू हुए 76 साल किसी भी कानून के जानकार (ज्यूरिस्ट) को नियुक्त नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा विकसित छत्तीसगढ़

नक्सलवाद के अंधेरे से निकलकर विकास की नई इबारत लिख रहा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि दशकों तक नक्सलवाद की चुनौती का सामना करने वाला छत्तीसगढ़ आज शांति, विश्वास और विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। नक्सलवाद के अंधेरे से बाहर निकलकर प्रदेश अब विकास की नई इबारत लिख रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचना, पर्यटन और आजीविका सहित सर्वांगीण विकास के प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने लगे हैं।मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर में टाइम्स नाउ नवभारत डॉट कॉम द्वारा आयोजित 'विकसित भारत-समृद्ध छत्तीसगढ़ = विकास का नया अध्याय' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प देश के सामने रखा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ ने भी विकसित राज्य बनने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। प्रदेश के विजन डॉक्यूमेंट के अंतर्गत 10 प्रमुख मिशन निर्धारित किए गए हैं और उन्हें धरातल पर उतारने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

सुरक्षा और विकास की समन्वित रणनीति से बदली बस्तर की तस्वीर:

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद प्रदेश, विशेषकर बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा बना रहा। वर्ष 2023 में राज्य में सरकार बनने के बाद जनवरी 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार ने समन्वय के साथ नई रणनीति पर काम शुरू किया। पड़ोसी राज्यों के साथ बेहतर तालमेल और सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई ने नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक गति दी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से सशस्त्र नक्सलवाद के खिलाफ ऐतिहासिक सफलता मिली है।

'नियद नेल्लानार' ने दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार शुरू से स्पष्ट थी कि केवल नक्सल समस्या को समाप्त करना पर्याप्त नहीं होगा। स्थायी शांति के लिए बस्तर के प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक विकास का लाभ पहुंचाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ 'नियद नेल्लानार' योजना शुरू की गई। गोंडी भाषा में इसका अर्थ है - 'आपका अच्छा गांव'।उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से दूरस्थ और संवेदनशील गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और दूरसंचार जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं। क्षेत्र में 421 से अधिक स्कूल खोले गए हैं और दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। विकास को और गति देने के लिए सरकार ने 'नियद नेल्लानार 2.0' भी प्रारंभ किया है।

सूखे और बढ़ती कीमतों पर सरकार चिंतित

1-2 सितंबर को दिल्ली में हाईलेवल बैठक

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश में सूखे और बढ़ती कीमतों पर 1-2 सितंबर को दिल्ली में पीएम मोदी की अध्यक्षता में एक हाईलेवल बैठक होगी। इसमें जल जीवन मिशन की प्रगति, क्रियान्वयन में दिक्कतें और राज्यों की जरूरतें पर चर्चा होगी।सूखे और बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार बेहद चिंतित है। इसी सिलसिले में 1 और 2 सितंबर को दिल्ली में एक हाईलेवल बैठक बुलाई गई है। खबर है कि इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यों के जल मंत्री शामिल हो सकते हैं।जानकारी के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में जल जीवन मिशन और हर घर नल जल योजना को लेकर हाई हाई-लेवल होने जा रही है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल 1 सितंबर को बैठक करेंगे, जबकि 2 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं।अंकित बालियान के हत्यारों के एनकाउंटर पर अवधेश प्रसाद ने उठाए सवाल, जयंत चौधरी ने की सिंगर के परिवार से मुलाकातहर घर नल जल योजना की प्रगति पर चर्चा

इस बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यों के जल मंत्री शामिल हो सकते हैं। बैठक के दौरान हर घर नल जल योजना की प्रगति, क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों और राज्यों की जरूरतों पर चर्चा की जाएगी।

पानी की कमी से सरकार चिंतित

हाल में सूखे की वजह से पानी की उपलब्धता और पानी से जुड़ी कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार चिंतित है। ऐसे में बैठक में सूखे की स्थिति, पानी की उपलब्धता, राज्यों में पेयजल आपूर्ति और इससे जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा हो सकती है। पानी ना होने की वजह से कई राज्य परेशानी का सामना कर रहे हैं।

झारखंड उठाएगा लंबित भुगतान का मुद्दा

इधर झारखंड की तरफ से जल जीवन मिशन की स्थिति के साथ-साथ केंद्र के पास लंबित भुगतान का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाए जाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि बैठक में झारखंड बकाया 6500 करोड़ का मुद्दा उठाएगा।बैठक में राज्यों से जल जीवन मिशन कीऔर राज्यों की जरूरतों की जानकारी ली जा सकती है।

समिट से पहले बिश्केक में भारत की गूंज, 'विशेष समूह' से मिले पीएम मोदी

पीएम मोदी किर्गिस्तान में एससीओ समिट से पहले भारतीय प्रवासियों, योग प्रेमियों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं सहित विभिन्न समूहों से मिले। उन्होंने भारत से उनके गहरे जुड़ाव पर खुशी व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वक्त किर्गिस्तान में हैं। स्थह समिट में हिस्सा लेने के लिए वो बिश्केक पहुंचे हैं। समिट के शुरू होने से पहले उन्होंने सोमवार को एक विशेष समूह से मुलाकात की, जो भारत से खास जुड़ाव रखते हैं। इस समूह में प्रवासी भारतीय समुदाय के प्रमुख लोग, पर्यावरण प्रेमी, योग उत्साही, शिक्षाविद, (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) के पूर्व छात्र और शोधकर्ता शामिल थे।प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। पीएम मोदी ने लिखा, ऐसे लोगों के समूह से मुलाकात हुई।

नेपाल में तबाही के बाद सद्गुरु का बड़ा कदम

1 करोड़ का दान और 5 देशों से 'हिमालयी बोर्ड' का प्रस्ताव

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद सद्गुरु ने काठमांडू में 1 करोड़ रुपये की सहायता और हिमालयी बोर्ड का प्रस्ताव रखा। उन्होंने हिमालयी देशों को मिलकर आपदाओं से निपटने का आह्वान किया।नेपाल में आई भीषण और विनाशकारी बाढ़ के बाद ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए। रविवार को काठमांडू में 'नेपाल के साथ एकजुटता' कार्यक्रम में उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में 1 करोड़ रुपये देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हिमालय के आसपास के देशों को मिलकर आपदाओं से निपटना चाहिए।

इस बाढ़ में अब तक 900 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि हजारों लोग लापता हैं। लापता लोगों में ईशा के कैलाश यात्रा के 77 सदस्य भी हैं। वे उस समय चीन की तरफ गियरिंग इमिग्रेशन सेंटर पर थे।

स्वदेशी INS निपुण कमीशन ने बढ़ाई ताकत

भारतीय नौसेना की ताकत में एक और बड़ा इजाफा हुआ है। INS Nipun को 31 अगस्त 2026 को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया। ये का दूसरा है। कमीशनिंग समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन मौजूद रहे। इस दौरान वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वात्सायन समेत नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।विशाखापत्तनम ने स्वदेशी तौर पर डिजाइन और तैयार किया है। इसके नौसेना में शामिल होने से भारत की स्वदेशी युद्धपोत निर्माण क्षमता कोभी एक अहम कदम है।

वैभव सूर्यवंशी का दलीप ट्रॉफी में बड़ा कारनामा, सिर्फ 42

लखनऊ में कार्यशाला

चुनावी मैदान में उतरने से पहले भाजपा की सेवा संकल्प की धार तेज

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपासेवा संकल्प अभियान चला रही है। प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर ये जनसंपर्क अभियान एक महीने तक चलेगा।उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी अब अपने संगठनात्मक और जनसंपर्क अभियानों को धार देने में जुट गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के अवसर पर भाजपा प्रदेश में एक महीने तक सेवा संकल्प अभियान चलाने जा रही है। इसी अभियान की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को

राजधानी लखनऊ में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है।इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित मार्श प्रेक्षागृह हो कार्यशाला में पार्टी के शीर्ष प्रदेश नेतृत्व के साथ संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

बीजेपी का ये शेष अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को पार्टी ने सेवा, समर्पण और जनसंपर्क से जोड़ने की तैयारी की है।अभियान के दौरान पार्टी की ओर से विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनियां और अन्य जनसंपर्क कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।भियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को एक मॉडल के तौर पर प्रस्तुत करने की योजना भी है। वाराणसी में हुए विकास कार्यों और केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभाव को जनता के सामने रखने के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं।पार्टी नेतृत्व का मानना है कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने का अवसर संगठन के लिए जनता के बीच जाने और सरकार की उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर रखने का महत्वपूर्ण मौका है।

न्यूज इन शॉर्ट

युवक को पीटने वाली भाजपा नेत्री पद से हटाई गईं-महामाया मंदिर के गेट पर चप्पल से पीटा था, 4 दुकानदारों को भी नोटिस

बिलासपुर। बिलासपुर के रतनपुर के महामाया मंदिर परिसर में युवक को चप्पल से पीटने वाली भाजपा नेत्री को पार्टी ने पद से हटा दिया है। मंदिर ट्रस्ट, पुलिस और भाजपा संगठन ने अपने-अपने स्तर पर कार्रवाई शुरू की है। ट्रस्ट ने सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में 4 दुकानदारों को सात दिन के भीतर दुकानें हटाने का नोटिस दिया है। वहीं भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोतीलाल जायसवाल ने रतनपुर अल्पसंख्यक मोर्चा की महामंत्री रेहाना बेगम को जांच अवधि तक पद से मुक्त कर दिया है।

बता दें कि 22 अगस्त को मंदिर के गेट के पास चोरी के पुराने विवाद को लेकर भाजपा से जुड़े 2 पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान महिला मोर्चा अल्पसंख्यक की महामंत्री रेहाना बेगम ने चप्पल से दूसरे पक्ष के एक युवक की पिटाई कर दी घटना का वीडियो भी सामने आया। जिसमें बीजेपी नेत्री बाइक से उतरकर युवक को चप्पल से मारती हुई दिखाई दीं थी। विवाद के बाद दोनों पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है।

दुर्ग में घर के अंदर चल रहा था जुआ-3 लाख कैश समेत 5 लाख का सामान जब्त; 12 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग पुलिस ने छावनी थाना क्षेत्र के कैंप-1 स्थित वार्ड 34 के एक घर में जुआ खेलते 12 लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश और 12 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 5 लाख 16 हजार 930 रुपए बताई गई है छावनी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि वार्ड 34 कैंप-1 स्थित घर में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और एसीसीयू की टीम मौके पर पहुंची। दोनों टीमों ने घर की घेराबंदी कर अचानक छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जुआ खेलते 12 लोगों को पकड़ लिया।

पुलिस ने मौके से 3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद और जुआ खेलने में इस्तेमाल 52 पत्ती ताश जब्त की। इसके अलावा 12 मोबाइल फोन भी पुलिस ने कब्जे में लिए हैं। जब्त मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। इस तरह जब्त सामान की कुल कीमत करीब 5 लाख 16 हजार 930 रुपए है।

बोर में पत्थर डालने के विवाद में ग्रामीण की हत्या-कुल्हाड़ी से सिर पर किया वार, इलाज के दौरान मौत; आरोपी को आजीवन कारावास

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक ग्रामीण की कुल्हाड़ी के पासा (पिछले हिस्से) से सिर पर वार कर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने ग्रामीण पर खेत में लगे बोर में पत्थर डालने का आरोप लगाया था। आरोपी ने वारदात के बाद भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था घटना घरघोड़ा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक समुंदर राठिया के भतीजे नरेश राठिया ने 9 अगस्त 2021 को थाना में सूचना दी थी। उसने बताया कि बस्तीपारा निवासी तेल सिंह राठिया (45) का खेत उसके चाचा समुंदर राठिया के खेत से लगा हुआ है। तेल सिंह के खेत में लगे बोर में किसी ने पत्थर डाल दिया था। आरोपी ने इसका आरोप समुंदर राठिया पर लगाया इसे लेकर वह उसके घर के पास गाली-गलौज कर रहा था और जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसी दौरान समुंदर राठिया उसके सामने आ गया। उसे देखते ही तेल सिंह गुस्से में आ गया और अपने पास रखी टांगी के पासा से उसके सिर पर वार कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। गंभीर चोट लगने से समुंदर राठिया बेहोश होकर गिर गया।

तीन चरणों में गिरता है मलांजकुडुम जलप्रपात,

बारिश में बढ़ जाती है खूबसूरती, बस्तर के प्रवेश द्वार कांकेर का

एक सत बुलेटिन > रायपुर

कांकेर- प्राकृतिक खूबसूरती के लिए देश-दुनिया में मशहूर बस्तर संभाग में हरी-भरी वादियों और कलकल बहते जलप्रपातों की कोई कमी नहीं है। इसकी शुरुआत बस्तर के प्रवेश द्वार उत्तर बस्तर कांकेर जिले से ही शुरू हो जाती है। ऐसा ही एक पर्यटन स्थल है कांकेर का मलांजकुडुम।।। बारिश के दिनों में कांकेर का सुप्रसिद्ध मलांजकुडुम जलप्रपात शबाब पर है। ऊंचाइयों से गिरता कभी दूधिया तो कभी मटमैला पानी और चारों ओर फैली घनी हरियाली सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर रही है।

3 चरणों में गिरता है पानी

मलांजकुडुम जलप्रपात जिला मुख्यालय कांकेर से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह जलप्रपात तीन अलग-अलग चरणों में गिरता है, जिसके चलते यहां का नजारा बेहद मनोरम दिखाई देता है। बारिश के दिनों में जब पहाड़ों और जंगलों के बीच से पानी तेज धार के साथ नीचे गिरता है, तो पूरा इलाका किसी प्राकृतिक चित्र की तरह नजर आता है।मलांजकुडुम जलप्रपात तीन झरनों से मिलकर बना है। इसके अलग-अलग चरणों की ऊंचाई करीब 10 मीटर, 15 मीटर और 9 मीटर बताई जाती है। वहीं स्थानीय स्तर पर इसके तीन चरणों को करीब 60 से 65 फीट, 40 से 45 फीट और 20 से 25 फीट की ऊंचाई से गिरने वाले जलप्रपात के रूप में बताया जाता है। यह जलप्रपात दूध नदी क्षेत्र में स्थित है।बारिश में बढ़ जाती है खूबसूरतीकांकेर जिला छत्तीसगढ़ के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित है और पहले पुराने बस्तर जिले का हिस्सा था। वैसे तो प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर पहाड़ों से घिरे कांकेर में कई छिपे हुए पर्यटन स्थल हैं। इनमें से मलांजकुडुम जलप्रपात जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान रखता है। मानसून के दौरान मलांजकुडुम का प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बनता है।

ग्रामीण समिति ने संभाली व्यवस्था की जिम्मेदारी

मलांजकुडुम को पर्यटन की दृष्टि से और बेहतर बनाने के लिए अब स्थानीय ग्राम समिति ने भी पहल शुरू की है। समिति की ओर से जलप्रपात क्षेत्र की साफ-सफाई, देखरेख और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों की इस पहल से पर्यटन स्थल को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने में मदद मिल रही है।

वन प्रबंधन समिति साफ सफाई का ध्यान रखती है। वहीं पार्किंग के लिए टिकट काउंटर भी है जहां से आय व्यवस्था को और दुरुस्त करने में लगाई जाती है। समिति पर्यटकों को सुरक्षा का ध्यान रखने की सलाह भी देती है, ताकि वे सेल्फी लेते समय ध्यान रखें।

कुछ और सुविधाओं से बढ़ सकता है पर्यटन

यहां कुछ और मूलभूत सुविधाओं की जरूरत है जैसे पीने के पानी की प्रॉपर व्यवस्था, सुरक्षा के लिए बेरिकेडिंग करना, चेंजिंग रूम जैसे कई सुविधाओं का विस्तार करते हुए यहां पर्यटन को और बढ़ावा दिया जा सकता है।

गंगरेल और मॉडमसिल्ली का जलस्तर बढ़ा, साइफन सिस्टम हुआ एक्टिव

एक सत बुलेटिन > धमतरी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले को डैम का शहर कहा जाता है। भारी बारिश की वजह से यहां के गंगरेल और मॉडमसिल्ली जैसे बांध पूरी तरह भर गए हैं। बारिश और कैचमेंट एरिया से पानी की बढ़ती आवक से जिले के कई डैमों में पानी बढ़ गया है। दुधावा और सोंढूर बांधों का भी वाटर लेवल बढ़ रहा है।

गंगरेल में 90 फीसदी से ज्यादा पानी

जिले के सबसे प्रमुख गंगरेल बांध में 91 फीसदी से अधिक जलभराव हो चुका है। करीब 32 टीएमसी क्षमता वाले इस बांध में लगातार 3548 क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है। जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो गंगरेल बांध के गेट खोले जाने की स्थिति बन सकती है। इसे देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

मॉडमसिल्ली बांध में 98 फीसदी से ज्यादा पानी

जिले का मॉडमसिल्ली बांध लगभग पूरी क्षमता तक पहुंच चुका है। करीब 5.1849 टीएमसी क्षमता वाले इस बांध में 98.182 फीसदी जलभराव दर्ज किया गया है। बांध के 100 फीसदी भरने की स्थिति में यहां लगा ऑटोमेटिक साइफन सिस्टम सक्रिय होकर पानी की निकासी शुरू कर देगा।मॉडमसिल्ली बांध में कुल 34 गेट हैं और यहां का बेबी साइफन सिस्टम शुरू हो चुका है। इस वजह से बांध के जलस्तर और पानी की निकासी पर विशेष नजर रखी जा रही है। मॉडमसिल्ली को एशिया के पहले ऑटोमेटिक साइफन सिस्टम वाले बांध के रूप में भी बताया जाता है।

दुधावा और सोंढूर बांध भी लबालब

जिले के अन्य प्रमुख बांधों में भी लगातार बारिश के चलते पानी की स्थिति मजबूत हुई है। करीब 10.192 टीएमसी क्षमता वाले दुधावा बांध में 82.173 फीसदी जलभराव दर्ज किया गया है। वहीं 6.995 टीएमसी क्षमता वाले सोंढूर बांध में 68.190 फीसदी पानी भर चुका है। लगातार हो रही बारिश के कारण कैचमेंट एरिया से बांधों में पानी की आवक बढ़ रही है। आने वाले समय में बांध का जलस्तर और बढ़ सकता है।भारी बारिश और नदी नालों के बढ़ते जलस्तर को लेकर लोगों से अपील की गई है। लोग बांधों के आसपास जाने से बचें। जिला प्रशासन के निर्देश का पालन करें- अबिनाश मिश्रा, कलेक्टर, धमतरी

तालाब बना आत्मनिर्भरता का आधार, वैज्ञानिक मत्स्य पालन से कामिनी की आय में हुआ इजाफा

एक सत बुलेटिन > रायपुर

मेहनत, सही तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन का साथ मिले तो सीमित संसाधनों से भी बेहतर आमदनी का रास्ता तैयार किया जा सकता है। इसकी प्रेरक मिसाल हैं खोंगापानी, विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की मत्स्य कृषक कामिनी रोहतिया, जिन्होंने वर्ष 2022 में मत्स्य विभाग के सहयोग से अपने लगभग 1 हेक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब में वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन शुरू किया। आज यही तालाब उनके लिए आय का महत्वपूर्ण साधन बन गया है और वे प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख रुपये का लाभ प्राप्त कर रही हैं।

मत्स्य पालन ने बदली आय की तस्वीर

मत्स्य पालन शुरू करने से पहले कामिनी मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर थीं। कृषि कार्य में मेहनत अधिक होने के बावजूद अपेक्षाकृत कम आय प्राप्त होती थी। वर्ष 2022 में मत्स्य विभाग की नवीन तालाब निर्माण योजना के अंतर्गत उन्हें लगभग 1 हेक्टेयर तालाब निर्माण का लाभ मिला। इसके बाद उन्होंने तालाब का बेहतर उपयोग करते हुए मत्स्य पालन को अपनी आजीविका का साधन बनाया।विभाग द्वारा उन्हें मत्स्य पालन की वैज्ञानिक तकनीक, तालाब प्रबंधन और मछलियों की देखभाल के संबंध में आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। विभागीय मार्गदर्शन के अनुसार उन्होंने तालाब में भारतीय प्रमुख कार्प (IMC) प्रजाति की मछलियों का पालन शुरू किया। तालाब में लगभग 5 हजार फिंगरलिंग्स का स्टॉकिंग किया गया।

वैज्ञानिक प्रबंधन से बढ़ा उत्पादन

कामिनी तालाब में मछलियों के उचित प्रबंधन, पानी की गुणवत्ता की नियमित निगरानी और समय-समय पर आवश्यक देखभाल पर विशेष ध्यान देती हैं। मत्स्य विभाग से प्राप्त प्रशिक्षण और तकनीकी सलाह के अनुसार वे तालाब प्रबंधन करती हैं। मछलियों में होने वाली संभावित बीमारियों की पहचान एवं रोकथाम के संबंध में भी उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।नियमित देखभाल और वैज्ञानिक पद्धति अपनाने का परिणाम उनकी आय में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। वर्तमान में लगभग 1 हेक्टेयर तालाब से मत्स्य पालन के माध्यम से उन्हें करीब 2 लाख रुपये का वार्षिक लाभ प्राप्त हो रहा है। मत्स्य पालन ने न केवल उनकी आय को बढ़ाया, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी दिया है।

विभागीय मार्गदर्शन बना सफलता की कुंजी

कामिनी का कहना है कि मत्स्य विभाग द्वारा समय-समय पर दिए गए तकनीकी मार्गदर्शन से उन्हें तालाब प्रबंधन, मत्स्य बीज संचयन, मछलियों की देखभाल और उत्पादन बढ़ाने में काफी सहायता मिली। उनका अनुभव है कि यदि तालाब का सही प्रबंधन करते हुए वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन किया जाए तो सीमित संसाधनों में भी अच्छी आय अर्जित की जा सकती है।

वर्ष 2022 से मत्स्य पालन करते हुए उन्होंने तालाब प्रबंधन और मछलियों की देखभाल का व्यावहारिक अनुभव हासिल किया है। अब उनका लक्ष्य मत्स्य उत्पादन और आय को और बढ़ाना है। गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, बेहतर तालाब प्रबंधन और विभागीय तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से वे भविष्य में अपने व्यवसाय को और विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं।

अन्य किसानों के लिए प्रेरक संदेश

कामिनी अन्य किसानों को संदेश देते हुए कहती हैं कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन को आय का लाभदायक साधन बनाया जा सकता है। उनका सफल अनुभव बताता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर, विशेषज्ञों की सलाह अपनाकर और नियमित मेहनत के साथ मत्स्य पालन ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

कामिनी की सफलता आज यह संदेश देती है कि सही योजना, वैज्ञानिक तकनीक और निरंतर मेहनत से एक साधारण तालाब भी आत्मनिर्भरता और समृद्धि का मजबूत आधार बन सकता है।

झीरम हमले में अब 5 सितंबर को आएगा फैसला

एक सत बुलेटिन > रायपुर

11 आरोपियों पर हुआ ट्रायल, 1 की मौत; 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज बने आधार

जगदलपुर। नीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में फैसला अब 5 सितंबर को आएगा। हाईकोर्ट ने फैसला पांच दिन के लिए टाल दिया है। पहले आज (31 अगस्त) फैसला आने की उम्मीद थी।

इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि बाकी 10 आरोपियों पर फैसला आना है। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज पेश किए हैं।10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने सबूतों के आधार पर आरोप साबित होने की दलील दी, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों को चुनौती दी है।

10 अगस्त को हुई अंतिम बहस

10 अगस्त की तारीख अंतिम बहस के लिए तय की थी। इसी दिन दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं। इसके बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। बता दें कि झीरम घाटी हमला छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित मामलों में से एक है।सालों से पीड़ित परिवारों और पूरे प्रदेश की नजर इस मामले के फैसले पर बनी हुई है। अंतिम बहस के बाद अदालत का फैसला आने से इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंचेगी।

अब जानिए झीरम घाटी हमले के बारे में

दरअसल, 2013 के आखिर में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने थे। रमन सिंह मुख्यमंत्री थे। 10 साल से विपक्ष में बैठी कांग्रेस जीत के लिए जोर लगा रही थी। पार्टी पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा शुरू करने वाली थी। 25 मई को सुकमा में परिवर्तन रैली की गई रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। इसमें करीब 25 गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे। सबसे आगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे।

कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप एक काफिले में थी

साथ ही उनके पीछे महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू की गाड़ी थी। उनके पीछे बस्तर के कांग्रेस प्रभारी उदय मुदलियार चल रहे थे। यानी छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप इस काफिले में थी। दोपहर करीब 3:40 बजे काफिला झीरम घाटी में पहुंचा।यहीं नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। गाड़ियां रुकते ही 200 से ज्यादा नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। हमले में नंदकुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक फायरिंग होती रही।

महेंद्र कर्मा को नक्सलियों ने मारी थी 100 गोलियां

शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरकर नीचे आए और एक-एक गाड़ी चेक की। एक गाड़ी में उन्हें सलवा जुडूम आंदोलन शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा मिल गए। आंदोलन की वजह से नक्सली महेंद्र कर्मा को दुश्मन समझते थे। उन्होंने बेरहमी से महेंद्र कर्मा की हत्या कर दी। उन्हें करीब 100 गोलियां मारी गईं।चश्मदीदों के मुताबिक, नक्सलियों ने कुछ नेताओं को नाम लेकर पहचाना और उन्हें गोली मारी। हमला पूरी योजना के साथ किया गया। नक्सलियों ने जगह का चुनाव, बम लगाने और भागने तक की पूरी तैयारी कर रखी थी।

केबिन में फैली जलने की गंध; यात्री बोले- लैंडिंग के वक्त जोरदार झटका लगा

बिलासपुर विमान हादसा, टायर फटने से 3 पहिए लॉक हुए

एक सत बुलेटिन > बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट पर दिल्ली की अलायंस एयर की फ्लाइट का टायर फटने से बड़ा हादसा टल गया। विमान रनवे पर रुक गया, वरना खेत की ओर जाने पर बड़ा हादसा हो सकता था। फ्लाइट में सवार एक यात्री ने बताया कि लैंडिंग के दौरान विमान को जोरदार झटका लगा।इसके बाद कुछ ही सेकेंड में जलने की गंध आने लगी। इससे यात्रियों में दहशत फैल गई। फिलहाल की टीम मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में सामने आया कि एक टायर फटने के साथ बाकी 3 टायर भी लॉक हो गए थे।हालांकि, DGCA अब यह पता लगाने में जुटी हुई है कि आखिर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर कैसे फटा और हादसे की असली वजह क्या थी।

लैंडिंग के दौरान लगा जोरदार झटका

दरअसल, शुक्रवार को दिल्ली से बिलासपुर आई फ्लाइट में खपरगंज निवासी एडवोकेट प्रकाश तिवारी भी सवार थे। उन्होंने बताया कि दिल्ली से उड़ान भरने के बाद सब कुछ सामान्य था।

बिलासपुर पहुंचने से पहले जैसे ही विमान रनवे पर उतरा, यात्रियों को जोरदार झटका लगा। लैंडिंग सामान्य नहीं लगी, जिससे सभी घबरा गए। कुछ सेकंड बाद विमान के अंदर जलने की गंध आने लगी। यात्रियों को लगा कि कहीं आग तो नहीं लग गई।

घबराए यात्रियों में मची अफरा-तफरी

इस दौरान यात्रियों को लगा कि विमान हादसे का शिकार हो गया है, जिससे अफरा-तफरी मच गई। विमान से उतरने के बाद भी सभी यात्री घबराए हुए थे। विमान रनवे पर खेत के किनारे खड़ा था। उसका टायर फट गया था और व्हील का एक्सल भी टूट गया था।

असामान्य थी फ्लाइट की लैंडिंग

एडवोकेट ने बताया कि आमतौर पर विमान की लैंडिंग इस तरह नहीं होती। यह पूरी तरह असामान्य लैंडिंग थी। रनवे पर उतरते ही विमान में जोरदार झटका लगा और धमाके जैसी आवाज आई, जिससे यात्री घबरा गए। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी भी यात्री को नुकसान नहीं हुआ।

9 सदस्यीय टीम कर रही जांच

विमान हादसे की जांच DGCA की 9 सदस्यीय टीम कर रही है। टीम के सदस्य शनिवार को बिलासपुर पहुंचे थे। इसके बाद रविवार को एयरपोर्ट पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम ने पाया कि लैंडिंग के समय एक टायर फटने के अलावा विमान के तीन अन्य पहिए भी लॉक हो गए थे।

हादसे की विस्तार से ली जानकारी

अधिकारी धीरज कुमार ने एयरपोर्ट प्रबंधन के साथ चर्चा की। इस दौरान अलायंस एयर के 7 इंजीनियर भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि विमान के पहिए की रिपेयरिंग का काम चल रहा है। टीम ने हादसे से जुड़े लोगों से घटना की पूरी जानकारी ली और फ्लाइट के संबंध में भी पूछताछ की।इसके बाद DGCA की टीम सीधे एप्रन पहुंची, जहां क्षतिग्रस्त विमान को रनवे से हटाकर रखा गया है। टीम ने टायर के अलावा विमान के अन्य हिस्सों की भी जांच की।

न्यूज इन शॉर्ट

राज्यपाल डेका से राज्य निर्वाचन आयुक्त ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने आयोग कीगतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया।ज- जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति की बैठक 02 सितम्बर कोजगदलपुर। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की अध्यक्षता में 02 सितम्बर 2026 को सांयकाल 05 बजे कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई है। जिसमें बैंकों की जमा अग्रिम, ऋण जमा अनुपात सहित किसान क्रेडिट कार्ड प्रदाय स्थिति, प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना इत्यादि की समीक्षा की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अलावा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खादी एवं ग्रामोद्योग, अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, पशुपालन एवं मत्स्यपालन विभाग के स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में सर्व संबंधित अधिकारियों एवं बैंकर्स को अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

इदवारा बैराज के सर्वेक्षण कार्य के लिए 2.66 करोड़ मंजूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग ने बीजापुर जिले के विकासखंड भैरमगढ़ में सिंचाई सुविधाओं को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित इदवारा बैराज के सर्वेक्षण कार्य के लिए शासन द्वारा 2 करोड़ 66 लाख 70 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस सर्वेक्षण कार्य के पूरा होने से क्षेत्र में जल भंडारण क्षमता और सिंचाई रकबे का सही आकलन हो सकेगा। इस परियोजना के आगे बढ़ने से स्थानीय किसानों को खेती-किसानी के लिए पर्याप्त जल मिलेगा, जिससे बीजापुर जिले के ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

नोनी सुरक्षा योजना दे रही बेटियों के भविष्य को नई उम्मीद

रायपुर। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत सारबहरा की आकांक्षा अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। उनकी इच्छा थी कि बेटी को अच्छी शिक्षा मिले और आगे चलकर उसका जीवन सुरक्षित, आत्मनिर्भर और खुशहाल हो। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच बेटी के भविष्य के लिए बेहतर प्रबंध करना उनके लिए चुनौती थी।
इसी चिंता को कम करने और बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने की दिशा में आकांक्षा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से अपनी बेटी का 'नोनी सुरक्षा योजना' के तहत पंजीयन कराया। योजना से मिलने वाली आर्थिक सुरक्षा के भरोसे ने उनके मन में बेटी के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाई है।आकांक्षा को उम्मीद है कि योजना के माध्यम से मिलने वाला लाभ उनकी बेटी के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वह चाहती हैं कि उनकी बेटी बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी करे और जीवन में अपने सपनों को साकार करे। उन्हें विश्वास है कि योजना से मिलने वाली सहायता बेटी की शिक्षा और विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर परिवार के लिए उपयोगी साबित होगी।उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं है, बल्कि बेटी के भविष्य को लेकर एक सुरक्षा और भरोसे का आधार भी है।

होटल से टूर ऑपरेटर, होमस्टे, इको-टूरिज्म, एडवेंचर पर्यटन और सोशल मीडिया तक 10 श्रेणियों में होंगे 'विश्व पर्यटन दिवस

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान देने, पर्यटन से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान किए जाएंगे। इस पुरस्कार योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले होटल, पंजीकृत टूर ऑपरेटर, जिले, पर्यटन स्टार्टअप, रिसॉर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र, होमस्टे, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, इको-टूरिज्म साइट और एडवेंचर टूरिज्म संचालकों को सम्मानित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत कुल 10 श्रेणियों में एक-एक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 11 हजार रूपए की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

पर्यटन की पूरी श्रृंखला को प्रोत्साहित करने पर जोर

'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' की खासियत यह है कि इसमें पर्यटन को केवल पर्यटन स्थलों तक सीमित न रखते हुए उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को भी सम्मान के दायरे में शामिल किया गया है। आतिथ्य, पर्यटन संचालन, जिला पर्यटन प्रबंधन, उद्यमिता, रिसॉर्ट सेवाएं, पर्यटक सहायता, होमस्टे, डिजिटल प्रचार, पर्यावरण संरक्षण और साहसिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार की 10 श्रेणियां हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ होटल, सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर, सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवॉर्ड, सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप, उद्यमिता पुरस्कार,ष्टअक्क स्न्ह्लद्ब क्क्षद्दश्चद्बह्लद्ब - सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र, सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट अवॉर्ड और सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म अवॉर्ड शामिल हैं।

बेहतर सेवाओं और नवाचार को मिलेगा सम्मान

सर्वश्रेष्ठ होटल श्रेणी में राज्य के आतिथ्य क्षेत्र में प्रभावशाली सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले पर्यटन उद्यम को सम्मानित किया जाएगा। इसमें स्ङ्घष्टश्व सुविधाओं, पिछले वित्तीय वर्ष के वित्तीय प्रदर्शन, वार्षिक कारोबार और आयोजित कार्यक्रमों की संख्या जैसे मानकों को आधार बनाया जाएगा। पर्यटन प्रचार, सतत पर्यटन, ष्टस्क्रगतिविधियों और रोजगार सृजन में योगदान को भी मूल्यांकन में महत्व दिया जाएगा। इसी तरह सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर का चयन आवास, परिवहन, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मनोरंजन और अन्य पर्यटन गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा छत्तीसगढ़ के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों के आधार पर किया जाएगा। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी, इटिनरेरी एवं प्रचार सामग्री के माध्यम से पर्यटन का प्रचार तथा वेबसाइट और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को भी मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में मिनरल ब्लॉक की नीलामी पर रोड शो

निवेश को बढ़ावा देना मकसद

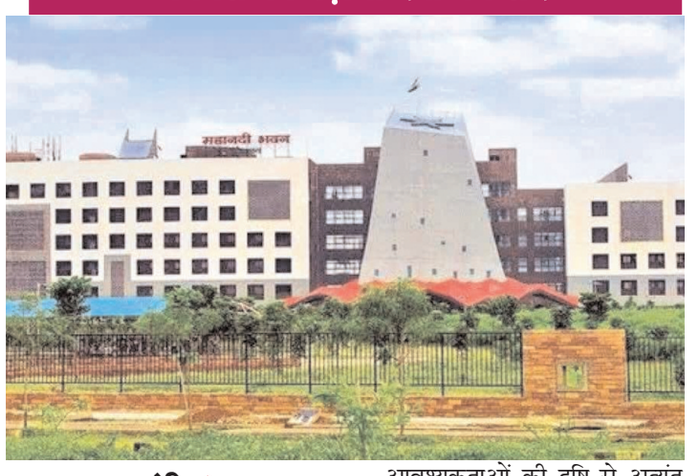

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ खनिजों संसाधनों से भरपूर राज्यों की श्रेणी में शुमार होता है। यहां कई तरह के खनिज पाए जाते हैं। 31 अगस्त सोमवार को प्रदेश की राजधानी रायपुर के नवा रायपुर में मिनरल ब्लॉक की नीलामी को लेकर रोड शो का आयोजन किया जाएगा।खान मंत्रालय द्वारा क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की 8वीं किश्त को लेकर यह रोड शो होगा। इस रोड शो में सीएम विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे भी शामिल होंगे।

20 खनिज ब्लॉक्स की नीलामी को लेकर रोड शो

भारत सरकार द्वारा क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की 8वीं किश्त के अंतर्गत 20 खनिज ब्लॉक्स को नीलामी के लिए रखा गया है। इनमें 3 माइनिंग लीज तथा 17 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉक्स शामिल हैं। इन ब्लॉक्स में ग्रेफाइट, रेयर अर्थ एलिमेंट्स, रेयर मेटल्स, वैनेडियम, गैलियम, टाइटेनियम, मोलिब्डेनम, टंगस्टन सहित अन्य महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। ये खनिज देश की ऊर्जा सुरक्षा, आधुनिक प्रौद्योगिकी, औद्योगिक विकास और रणनीतिक आवश्यकताओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। छत्तीसगढ़ में मिनरल सेक्टर को और अधिक आधुनिक, पारदर्शी और टेक्नोलॉजी-आधारित बनाने के मकसद से कई पहल शुरू की जाएंगी।

टिन पोर्टल और ई रेत संगवारी पोर्टल होगा लॉन्च

रोड शो के दौरान छत्तीसगढ़ में मिनरल सेक्टर को और अधिक आधुनिक, पारदर्शी और टेक्नोलॉजी-आधारित बनाने के मकसद से कई पहल शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री साय की मौजूदगी में टिन पोर्टल और ई रेत संगवारी पोर्टल लॉन्च किए जाएंगे। इसके साथ ही, ष्टस्ङ्गष्ट और इंडियन ओवरसीज बैंक के बीच, और ष्टस्ङ्गष्ट तथा पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के बीच कोरंडम कटिंग और पॉलिशिंग की ट्रेनिंग के लिए समझौता ज्ञापनों (रूश्व) का आदान-प्रदान भी किया जाएगा। एक टेक्निकल सेशन में मिनरल ब्लॉक की नीलामी, निवेश और खोज से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड नीलामी के लिए प्रस्तावित मिनरल ब्लॉक पर प्रेजेंटेशन देगी।

पर्यटन विकास में उत्कृष्ट जिले को भी मिलेगा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

'सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवॉर्ड' के तहत उस जिले का चयन किया जाएगा, जिसने पर्यटन के व्यापक विकास, संवर्धन, गंतव्य प्रबंधन तथा घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की दिशा में बेहतर कार्य किया हो। पर्यटन स्थलों की स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, डस्टबिन की उपलब्धता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हरित उपाय, प्रकृति आधारित गतिविधियां, कृषि एवं ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति, मत्स्य पालन, पर्यटकों के लिए विशिष्ट अनुभव और पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन जैसे पहलुओं को भी मूल्यांकन में शामिल किया गया है।

युवा उद्यमियों और पर्यटन स्टार्टअप को मिलेगा मंच

पर्यटन क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप, उद्यमिता पुरस्कार रखा गया है। इसके माध्यम से ऐसे स्टार्टअप और व्यक्तिगत उद्यमियों को पहचान एवं प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिन्होंने नवाचार एवं अनुकरणीय गतिविधियों के जरिए छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने का कार्य किया है। यह पुरस्कार पर्यटन क्षेत्र में नए विचारों, तकनीक, सेवाओं एवं व्यावसायिक मॉडलों के माध्यम से पर्यटन को अधिक आकर्षक, सुविधाजनक एवं प्रतिस्पर्धी बनाने वाले उद्यमियों के प्रयासों को प्रोत्साहित करेगा।

रिसॉर्ट और पर्यटक सूचना केंद्रों की सेवाओं को भी पहचान

श्रेणियों में पर्यटन बोर्ड की प्रीमियम एवं बजट श्रेणी की इकाइयों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले रिसॉर्ट तथा उल्लेखनीय बुकिंग उपलब्ध कराने वाले पर्यटक सूचना केंद्रों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट के चयन में टर्नओवर, लाभप्रदता और अधिभोग प्रतिशत जैसे मानकों को आधार बनाया जाएगा। वहीं पर्यटक सूचना केंद्रों का मूल्यांकन पूरे वर्ष पर्यटकों के लिए बुकिंग उपलब्ध कराने में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इन पुरस्कारों के माध्यम से पर्यटन बोर्ड की इकाइयों में बेहतर सेवा, ग्राहक संतुष्टि, प्रभावी संचालन तथा पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
सर्वश्रेष्ठ होमस्टे श्रेणी में घरेलू पर्यटन से अर्जित राजस्व, वार्षिक वृद्धि दर, बुकिंग की संख्या और घरेलू पर्यटकों की संख्या जैसे मानकों के आधार पर चयन किया जाएगा। पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाएं, ग्राहक समीक्षा, शिकायत निवारण प्रणाली, दिव्यांग पर्यटकों के लिए सुविधाएं तथा होमस्टे की विशिष्ट अवधारणा को भी मूल्यांकन में महत्व दिया जाएगा।

राज्यपाल डेका को लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष सुश्री शांडिल्य ने वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा

श्री एच एल ध्रुव एवं श्रीमती लीना कोसम उपस्थित थीं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष सुश्री रीता शांडिल्य ने मुलाकात की। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग के 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि का पच्चीसवां वार्षिक प्रतिवेदन श्री डेका को सौंपा।

इस अवसर पर राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. प्रवीण वर्मा, डॉ. सरिता उइके, श्री संतकुमार नेताम, श्री डी राहुल वेंकट, श्री चंद्र कुमार अजगले, श्री एच एल ध्रुव एवं श्रीमती लीना कोसम उपस्थित थीं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्कूल में दर्ज जन्मतिथि को नहीं माना पॉक्सो केस में आधार, आरोपी दोषमुक्त और सजा हुई निरस्त

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने POCSO से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में कहा है कि सिर्फ स्कूल के प्रवेश रजिस्टर में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर किसी पीड़िता की उम्र को निर्णायक रूप से सिद्ध नहीं माना जा सकता, जब उसकी जन्मतिथि की प्रविष्टि का मूल आधार या स्रोत अभियोजन ने प्रमाणित ना किया हो। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी की दोषसिद्धि और सजा को निरस्त कर दिया। उसे सभी आरोपों से बरी करने का आदेश दिया।

अभियोजन पक्ष ने पीड़िता तो बताया था नाबालिग

मामले में अभियोजन का आरोप था कि आरोपी ने नाबालिग पीड़िता को अपने साथ ले जाकर उसके साथ यौन संबंध बनाए। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 363 ,366 और क्कह्रष्टस्ह्र ष्ह्ल की धारा 6 के तहत दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी।अपील पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सबसे पहले यह जांचा कि घटना के समय पीड़िता वास्तव में 18 वर्ष से कम आयु की थी या नहीं। अभियोजन ने उसकी उम्र साबित करने के लिए स्कूल के दाखिल खारिज रजिस्टर और कक्षा आठवीं के मार्कशीट पर दर्ज तारीख जुलाई 2005 में भरोसा किया था।

शिक्षक ने भी माना उन्हें उम्र के बारे में नहीं थी जानकारी

हालांकि, संबंधित सहायक शिक्षक ने जिरह में स्वीकार किया कि जन्मतिथि की संबंधित प्रविष्टि उन्होंने स्वयं नहीं की थी और उन्हें यह जानकारी भी नहीं थी कि उक्त जन्मतिथि किस दस्तावेज या स्रोत के आधार पर स्कूल रिकॉर्ड में दर्ज की गई थी।कोर्ट ने यह भी पाया कि पीड़िता के माता-पिता उसकी वास्तविक जन्मतिथि से अनभिज्ञ थे।वे केवल उसकी उम्र लगभग 14 वर्ष बता सके।अभियोजन ने कोई जन्म प्रमाण-पत्र या अन्य प्राथमिक और विश्वसनीय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया, जिससे स्कूल रिकॉर्ड में दर्ज जन्मतिथि का आधार प्रमाणित हो सके।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णयों का किया उल्लेख

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी दस्तावेज को केवल दिखाना के रूप में स्वीकार कर लेना उसमें दर्ज प्रत्येक तथ्य की सत्यता को स्वतः सिद्ध नहीं करता । स्कूल रिकॉर्ड में दर्ज जन्मतिथि की साक्ष्य-संबंधी महत्व उस स्थिति में कम हो जाती है, जब उस प्रविष्टि का मूल स्रोत या आधार प्रमाणित न किया गया हो।

फॉरेंसिक रिपोर्ट भी अपुष्ट

कोर्ट ने मेडिकल और फोरेंसिक साक्ष्यों का भी परीक्षण किया। मेडिकल जांच में पीड़िता के शरीर एवं जननांग क्षेत्र पर कोई बाहरी या आंतरिक चोट नहीं मिली। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि नकारात्मक स्नस्रुरिपोर्ट अकेले आरोपी की निर्दोषता सिद्ध नहीं करती, लेकिन वर्तमान मामले की अन्य परिस्थितियों के साथ यह अभियोजन के आरोपों को पुष्ट नहीं करती।पीड़िता की गवाही पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहआधार पर अकेले भी दृढ़ विश्वास की जा सकती है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि :- 15/09/2026

स. क्र.	नि.आ.सू.क्र./ नि.आ.सू. दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
01	02	03	04	05
1	114/2026-27 दिनांक 25/08/2026	198313 (प्रथम आमंत्रण)	उपसंभाग सुकमा के अन्तर्गत विभिन्न मार्गो के पुल-पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य, सुकमा टाऊन मार्ग ल. 4.00 कि.मी., सुकमा-झापरा-मलकानगिरी मार्ग ल. 12.05 कि.मी., तोंगपाल-पुसपाल मार्ग ल. 15 कि.मी. एवं छिंदगढ़ टाऊन मार्ग ल. 0.70 कि.मी. एवं सुकमा मुख्यालय मार्ग।	12.70
2	115/2026-27 दिनांक 25/08/2026	198314 (प्रथम आमंत्रण)	उपसंभाग सुकमा के अन्तर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई-पोताई कार्य।	12.70

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बस्तर मडल जगदलपुर

262703041/2

भारत-पाक मैच में कुलदीप पर क्यों भड़के थे सूर्या

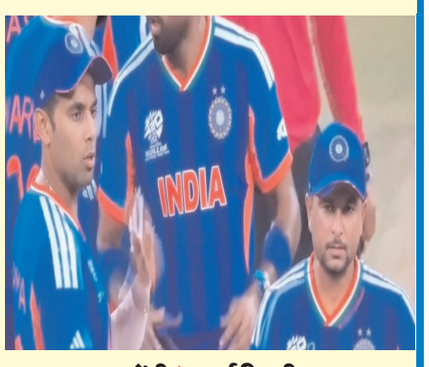

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हो और मैदान पर कोई पल वायरल न हो, ऐसा कम ही होता है। टी20 वर्ल्ड कप के उस मुकाबले में भी एक ऐसा ही वाकया हुआ था, जिसने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। कैमरे में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कुलदीप यादव पर गुस्सा करते नजर आए थे। हार्दिक पंड्या भी इस दौरान नाराज दिखाई दिए थे। वीडियो सामने आते ही सवाल उठने लगे कि क्या भारतीय टीम के भीतर सबकुछ ठीक नहीं था? सूर्यकुमार आखिर कुलदीप पर इतने नाराज क्यों हुए? अब महीनों बाद खुद सूर्यकुमार ने उस वायरल पल की पूरी कहानी बताई है। उनकी बातों से पता चलता है कि इस घटनाक्रम की शुरुआत कुलदीप की गेंदबाजी की बेचैनी से हुई थी।सूर्यकुमार ने आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कुलदीप गेंदबाजी करना चाहते थे, लेकिन उन्हें मौका ही नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा, %मैच शुरू हुआ और कुलदीप को गेंदबाजी करने का समय ही नहीं मिला। वह थोड़ा निराश था और गेंदबाजी करना चाहता था। मैंने अक्षर का स्पेल पूरा किया और फिर तिलक, वरुण और हार्दिक को गेंदबाजी कराई। कुलदीप के मन में यही सवाल चल रहा था कि उन्हें गेंद क्यों नहीं दी जा रही। सूर्यकुमार के मुताबिक, उन्होंने कप्तान से पूछा भी- मेरी बॉलिंग क्यों नहीं आ रही है? लेकिन मैच की परिस्थितियां ऐसी थीं कि कुलदीप की बारी ही नहीं आई।गेंद हाथ में न मिलने से कुलदीप पहले ही निराश थे। इसके बाद वह लॉन्ग ऑन पर फील्डिंग कर रहे थे। तभी उनके पास कैच पकड़ने का आसान मौका आया। सूर्यकुमार को लगा कि कुलदीप ने कैच के लिए पूरी गंभीरता नहीं दिखाई। वह कैच के लिए काफी कैजुअली दौड़े और मौका गंवा बैठे। सूर्यकुमार ने कहा, वह लॉन्ग ऑन पर था। कैच का मौका आया। वह बहुत कैजुअली दौड़ा और उसकी स्किल के हिसाब से यह आसान कैच था।

आक्रामक और चुनौतीपूर्ण रहा

लंदन के ओ2 एरिना में आईबीएफ वर्ल्ड हैवीवेट टाइटल मुकाबले के दौरान मोसेस इताउमा और फिलिप हरगोविच के बीच जोरदार भिड़ंत देखने को मिली ।दोनों मुक्केबाजों ने रिंग में एक-दूसरे पर जमकर प्रहार किए। मुकाबले के दौरान मोसेस इताउमा का एक दमदार पंच फिलिप हरगोविच को लगा। दोनों के बीच मुकाबला काफी आक्रामक और चुनौतीपूर्ण रहा।

गंभीर की बेटी आजीन बनीं फिट इंडिया एंबेसडर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को आयोजित 'संडेज ऑन साइकिल' के 88वें संस्करण में एक खास पल देखने को मिला। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की बड़ी बेटी आजीन गंभीर को इस मौके पर 'फिट इंडिया एंबेसडर' के रूप में सम्मानित किया गया। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आजीन को सम्मानित किया। इस मौके पर आजीन के पिता गंभीर भी उपस्थित थे और उनके लिए ये भावुक कर देने वाला लम्हा था।

12 साल की आजीन गंभीर को फिट इंडिया एंबेसडर के तौर पर सम्मानित किए जाने का मकसद युवाओं के बीच फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के अभियान से उन्हें जोड़ना है। 'संडेज ऑन साइकिल' जैसे आयोजन के जरिए लोगों को साइकिलिंग और नियमित शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है। गौतम गंभीर की बेटी को मिला यह सम्मान इसलिए भी खास है क्योंकि गंभीर खुद भारतीय क्रिकेट के उन खिलाड़ियों में रहे हैं, जिनके करियर में फिटनेस और अनुशासन की अहम भूमिका रही।` इस साल टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

अक्षर पटेल की जगह पर मंडराया खतरा

क्रूणाल पंड्या 5 साल बाद हो सकती है टीम इंडिया में

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत को आने वाले दिनों में अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। इन मुकाबलों में चयनकर्ता युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं। क्रुणाल के लिए वापसी का रास्ता जरूर खुला है, लेकिन अंतिम फैसला उनके मौजूदा प्रदर्शन और टीम की जरूरतों पर निर्भर करेगा।

श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम का प्रदर्शन आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर कुछ खास नहीं रहा था। आयरलैंड दौरे पर टीम को 0-2 से शर्मनाक शिकस्त झेलनी पड़ी थी। वहीं इंग्लैंड ने टी20 सीरीज में भारत को 0-4 से हरा दिया था। यूरोप दौरे पर भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाज भी बेअसर रहे थे, जो हार की सबसे बड़ी वजह रही।स्पिन गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को नए विकल्प तलाशने पर मजबूर किया है। इसी बीच क्रुणाल पंड्या का नाम चर्चा में आया है, जिन्हें स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका के लिए संभावित विकल्प माना जा रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक 35 वर्षीय क्रुणाल को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा हुई है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। इसके बाद भले ही राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी नहीं हुई, लेकिन घरेलू क्रिकेट और ढ्ढक्क (इंडियन प्रीमियर लीग) में उन्होंने अपनी उपयोगिता लगातार साबित की।

अक्षर पटेल का कटेगा पत्ता?

भारत के हालिया टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में स्पिन विभाग उस तरह प्रभावी नहीं रहा, जिसकी टीम को उम्मीद थी। खासकर अक्षर पटेल का प्रदर्शन साधारण रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अपने पिछले छह टी20 इंटरनेशनल मैचों में अक्षर ने सिर्फ चार विकेट झटके। हालांकि इन दोनों देशों की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के लिए बहुत ज्यादा मददगार नहीं थीं, इसलिए उनके प्रदर्शन का आकलन केवल आंकड़ों के आधार पर करना उचित नहीं होगा। इसके बावजूद बड़े मुकाबलों से पहले टीम मैनेजमेंट अपने विकल्प मजबूत रखना चाहता है।

क्रुणाल पंड्या ने आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ञ्जष्टक्च) की ओर से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पूरे सीजन में उन्होंने 226 रन बनाने के साथ ही 14 विकेट भी हासिल किए। बल्लेबाजी में उनका स्ट्राइक रेट 145।81 रहा, जबकि गेंदबाजी में उन्होंने किफायती प्रदर्शन कर अपनी अहमियत दिखाई। टी20 क्रिकेट में बीच के ओवरों में रन रोकने और साझेदारी तोड़ने की उनकी क्षमता टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

व्यापार

जीडीपीऔर रोजगार डेटा पर रहेगी सबसे ज्यादा नज़र

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार की चाल पर अगले सप्ताह एक नहीं, बल्कि कई फैक्टर्स का सीधा असर देखने को मिल सकता है। इनमें अमेरिका में जॉब डेटा से लेकर पहली तिमाही में के आंकड़े समेत अन्य शामिल हैं।शेयर बाजार में बीते सप्ताह खासी उथल-पुथल देखने को मिली थी और सेंसेक्स-निफ्टी दोनों इंडेक्स पांच कारोबारी दिनों में कुल मिलाकर गिरावट में रहे थे। अब कल से शुरू होने वाले हफ्ते में कई फैक्टर शेयर मार्केट की चाल तय करने वाले साबित होंगे और इनका कनेक्शन अमेरिका से लेकर भारत तक से है। एक ओर जहां कई जरूरी आंकड़े सामने आने वाले हैं, जो शेयर बाजार के सेंटीमेंट पर असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, तो वहीं विदेशी निवेशकों की खरीद-फरोख्त भी निवेशकों पर प्रभाव

डालती नजर आएगी।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला सप्ताह खास रहने वाला है। क्योंकि अमेरिका से भारत तक कई महत्वपूर्ण आंकड़े आने वाले हैं, जो शेयर बाजार की चाल बदल सकते हैं। इनमें भारत में त्रष्ठक्कके आंकड़े पेश किए जाएंगे। भारत की वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही का त्रष्ठक्क डेटा महीने के आखिरी दिन यानी 31 अगस्त को आएगा। ग्लोबल सप्लाई चेन को लेकर टेंशन और एनर्जी प्राइस में लगातार बढ़ोतरी के बीच आने वाले इन आंकड़ों का सीधा असर बाजार पर देखने को मिल सकता है।

स् की रोजगार रिपोर्ट

शेयर बाजार की चाल पर असर डालने वाला दूसरा फैक्टर अमेरिका से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अगस्त में अमेरिकी रोजगार के आंकड़े अगले हफ्ते 4 सितंबर को जारी किए जाएंगे और निवेशकों की इसपर पैनी नजर रहेगी। इन आंकड़ों से स्स्नद्गस्र की पॉलिसी रेट स्ट्रेटजी का अनुमान लगाया जा सकेगा। रिपोर्ट में रेलिगेयर ब्रोकिंग के एसवीपी रिसर्च अजित मिश्रा के मुताबिक, कहा गया है कि अमेरिकी रोजगार के आंकड़े न सिर्फ स् और अमेरिकी यील्ड परे शेयर बाजारों पर भी इनका प्रभाव देखने को मिल सकता है।

47 पैसे के छुटकू शेयर में रोज लग रहा अपर सर्किट

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में तमाम ऐसे छुटकू शेयर हैं, जो अपने निवेशकों की किस्मत खोलने वाले साबित हुए हैं और बेहद ही कम समय में उनपर पैसों की बरसात कर दी है। ऐसा ही एक पैनी स्टॉक है व्रष्टरूञ्चद्गष्द्ध का शेयर, जिसमें पैसे लगाने वाले लगातार मालामाल हो रहे हैं और इसमें शेयर बाजार में कारोबार के दौरान रोजाना अपर सर्किट लग रहा है। इस स्ह्लशष्द्म ने सिर्फ छह महीने में ही निवेशकों का पैसा डबल से ज्यादा कर दिया है। शेयर मार्केट में निवेश को भले ही जोखिम भरा कारोबार माना जाता है, लेकिन ये कब अपने निवेशकों को फर्श से अर्श पर पहुंचा दे और कब एक ही झटके में भारी नुकसान करा दे, कह पाना मुश्किल है। तो हैदराबाद हेडक्वार्टर वाली इस टेक्नोलॉजी और फाइनेंशियल कंसल्टेंसी/फिनटेक कंपनी का शेयर मल्टीबैगर स्टॉक बनकर सामने आया है। बीते करीब 7 कारोबारी दिनों से इसमें लगातार अपर

सर्किटदेखने को मिल रहा है यानी ये हर रोज अपने निवेशकों की संपत्ति में तगड़ा उछाल कर रहा है।

तो बीते शुक्रवार को ये 4।90 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 1।07 रुपये का हो गया। इससे पहले लगातारके साथ ये छुटकू शेयर महज 1 महीने में ही करीब 85 फीसदी की तेज उछाल के साथ अपने निवेशकों के लिए पैसे छापने की मशीन बना नजर आया है। इस अवधि में इसका भाव 58 पैसे से 1।07 रुपये पर पहुंचा, जो इसका 52 वीक का नया हाई लेवल है। शेयर में लगातार जारी तेजी का ही असर है ।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सक्षम अथॉरिटी के पास जाएं

पेट्रोल-पंपों पर एथेनॉल प्रतिशत बताने की मांग वाली याचिका

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पेट्रोल पंपों के नोजल पर एथेनॉल की मात्रा लिखने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे इस मामले में संबंधित सक्षम अथॉरिटी के पास जाएं। आज 31 अगस्त को कोर्ट ने ये याचिका खारिज की है।

आइए, सवाल-जवाब में समझते हैं इस पूरे मामले की वजह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, श्व20 फ्यूल के फायदे-नुकसान और आम गाड़ी मालिकों पर इसका क्या असर होगा...

जवाब- एडवोकेट नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की थी कि देशभर के पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर अनिवार्य और एकसमान लेबलिंग की जाए। इस लेबल पर स्पष्ट रूप से लिखा हो कि बेचे जा रहे पेट्रोल में कितना प्रतिशत एथेनॉल (जैसे श्व20) मिलाया गया है।जवाब- जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस पी.बी. वराले की बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, ÷याचिका खारिज की जाती है। याचिकाकर्ता के लिए सक्षम अथॉरिटी के पास जाने का विकल्प खुला है।÷ कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि याचिकाकर्ता सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आए, वे पहले हाई कोर्ट या संबंधित विभाग के पास क्यों नहीं गए।प्रदूषण कम करना- एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों से कार्बन उत्सर्जन कम होता है।

घरेलू बायोफ्यूल को बढ़ावा देना- किसानों को गन्ने और अन्य फसलों से एथेनॉल बनाने का फायदा पहुंचाना।

सवाल 5. श्व20 पेट्रोल से आम गाड़ी मालिकों को क्या परेशानी या चिंताएं हैं?

जवाब- ऑटो एक्सपर्ट्स और वाहन मालिकों के अनुसार, श्व20 पेट्रोल के मुख्य नुकसान ये हैं-

पुरानी गाड़ियों में खराबी- जो गाड़ियां 2023 से पहले बनी हैं, वे श्व20 फ्यूल के हिसाब से डिजाइन नहीं की गई थीं।

इंजन और फ्यूल सिस्टम में जंग- एथेनॉल नमी सोखता है, जिससे पुरानी गाड़ियों की रबर लाइन्स, प्लास्टिक पार्ट्स और फ्यूल टैंक में जंग लगने या सड़ने की आशंका रहती है।

माइलेज में कमी- एथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल से कम होती है, जिससे गाड़ियों का माइलेज थोड़ा गिर जाता है।

सवाल 6. क्या श्व20 फ्यूल की वजह से गाड़ियों में खराबी का कोई मामला सामने आया है?

जवाब- हां, हाल ही में छत्तीसगढ़ के रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक अहम फैसला सुनाया था। आयोग ने कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को एक ग्राहक को श्व20-कम्पैटिबल इंजन वाली नई ग्रैंड विटारा कार देने का आदेश दिया था।

सुभाष चंद्रा बोले- 22,000 करोड़ के कर्ज पर भ्रम फैलाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा ने सोमवार को 22 हजार करोड़ के कर्ज के मामले में सोशल मीडिया पर लाइव आकर सफाई दी। इस दौरान उन्होंने 3 पन्नों का एक डॉक्यूमेंट शेयर करते हुए दावा किया कि मामले को लेकर गलतफहमी और गलत धारणाएं फैलाई जा रही हैं। हालांकि, चंद्रा ने इस लाइव के दौरान कमेंट सेक्शन को लॉक रखा था, जिस वजह से सिर्फ एकतरफा बात ही सामने आ पाई।असल में यह विवाद तब और गहरा गया था जब भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने ङ्ग पर पोस्ट कर हृष्टरुज्ञ के फैसले को ÷भारतीय इंसाफ का असली मजाक÷ करार दिया था। आरोप लगाया था कि 22 हजार करोड़ रुपए के कर्ज को महज कुछ करोड़ में निपटाया जा रहा है।1. मेरी व्यक्तिगत उधारी शून्य - सुभाष चंद्रा के बयान के मुताबिक, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शून्य उधारी ली है। 22,000 करोड़ रुपए की राशि उनके द्वारा दी गई %पर्सनल गारंटी% की कुल रकम थी।2. ?4,800 करोड़ की गारंटी ही मूल उधारी के वक्त दी गई थी - दस्तावेज में स्पष्ट किया गया है कि ?22,000 करोड़ की पर्सनल गारंटी में से केवल ?4,800 करोड़ की गारंटी ही कंपनियों द्वारा कर्ज लेते समय दी गई थी। बाकी की गारंटी डिफॉल्ट होने के बाद दी गई थीं।3. कुल 4,808 करोड़ में से 3,803 करोड़ रुपए चुकाए जा चुके हैं - सुभाष चंद्रा की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, बैंकों/वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी कुल राशि ?4,808 करोड़, उधारकर्ताओं द्वारा वापस चुकाई गई राशि- ?3,803 करोड़ और शेष मूल बकाया राशि केवल ?998 करोड़ है।

4. ?5,311 करोड़ के दावे के मुकाबले शेष दावा ?4,262 करोड़ - बैंकों ने ?998 करोड़ के मूल बकाए के खिलाफ कुल ?5,311 करोड़ का दावा पेश किया था। इसमें से ?1,049 करोड़ के दावों का निपटारा/भुगतान हो चुका है, जिसके बाद अब शेष दावा ?4,262 करोड़ का रह गया है।5. सभी देनदारियों के निपटान का भरोसा - चंद्रा ने कहा कि उन्होंने सभी उधारकर्ताओं से चर्चा की है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि लेंडर्स (बैंकों) 262 करोड़ का भुगतान और निपटारा कर दिया जाएगा।

सम्पादकीय

अफसरों का राजनीति प्रेम

दिव्या मित्तल का इस्तीफा व्यक्तिगत फैसला है, पर सवाल पुराना है। ईमानदार अधिकारी हर सरकार में असुविधाजनक हो जाते हैं। उनके लिए भी जो विपक्ष में रहते हुए उन अफसरों की ईमानदारी की दाद देते हैं। पर यह दावा अतिशयोक्ति भी है और आधा सच भी है। सिक्के के दोनों पहलुओं को देखने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस दिव्या मित्तल ने 13 वर्ष की सेवा के बाद स्वैच्छिक त्यागपत्र की घोषणा की है। आईआईटी दिल्ली, आईआईएम बेंगलुरु, लंदन की नौकरी छोड़कर वे देश लौटी थीं। मिर्जापुर में लहुरियादह जैसे पहाड़ी गांव तक पहली बार नल का पानी पहुंचाने और देवरिया में योजनाओं को जमीन तक ले जाने के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उन्होंने कारण नहीं बताया पर बाद में कहा कि कोई एक घटना ट्रिगर नहीं बनी, महीनों से सोच रही थीं, भविष्य तय नहीं है। हालांकि इसे लेकर सपा ने योगी सरकार पर दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस से जुड़ाव का दावा किया। दोनों दावे अपुष्ट हैं। दिव्या मित्तल का इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार होना अभी बाकी है। फिर भी यह घटना एक पुरानी सच्चाई को छूती है। भारतीय प्रशासनिक सेवा का आदर्श निष्पक्षता है, राजनीतिक व्यवस्था का स्वभाव नियंत्रण है। वहीं, दिव्या मित्तल ने सोशल मीडिया पर लिखे पोस्ट में किसी भी अफसर के लिए फाइल के पीछे के व्यक्ति की गरिमा को महत्वपूर्ण करार दिया। जाहिर है कि उनका इशारा इस तरफ है कि नेता को सुविधा से ऊपर रखा जाता है, तब टकराव होता है। यह टकराव किसी एक दल की विशेषता नहीं है। यह सभी दलों की सरकारों के साथ होता है।अशोक खेमका इसका सबसे चर्चित उदाहरण हैं। हरियाणा कैडर के 1991 बैच के अधिकारी ने करीब 57 तबादले झेले। 2012 में उन्होंने रॉबर्ट वाड्रा और डीएलएफ के भूमि सौदे का म्यूटेशन रद्द किया, तब कांग्रेस की हुड्डा सरकार थी।

(एक नजर)

शनि-गुरु का नवपंचम राजयोग

ज्योतिष में शनि और गुरु दोनों को बेहद प्रभावशाली ग्रह माना जाता है। शनि जहां कर्म, अनुशासन और न्याय से जुड़े हैं, वहीं गुरु ज्ञान, भाग्य, विस्तार और समृद्धि के कारक माने जाते हैं।सितंबर की शुरुआत में इन दोनों ग्रहों की विशेष स्थिति बनने जा रही है।ज्योतिषीय गणना के अनुसार 1 सितंबर 2026 को शनि और गुरु के बीच 120 डिग्री का कोण बनेगा, जिसे नवपंचम योग कहा जाता है। मान्यता है कि इस योग का असर कुछ राशि के जातकों के लिए करियर, धन और कारोबार के लिहाज से सकारात्मक रह सकता है।वैदिक ज्योतिष में दो ग्रहों के बीच बनने वाले त्रिकोणीय संबंध को नवपंचम योग कहा जाता है।इसे आमतौर पर भाग्य, ज्ञान, धर्म, उन्नति और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है।इस बार शनि और गुरु की स्थिति से बनने वाला यह योग कुछ राशि के जातकों के लिए रुके हुए कामों को गति देने और नए अवसर मिलने का संकेत माना जा रहा है।हालांकि, किसी व्यक्ति पर इसका वास्तविक प्रभाव उसकी जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति पर भी निर्भर करता है।वृषभ राशिः वृषभ राशि के जातकों के लिए यह योग आर्थिक मामलों में अच्छा समय लेकर आ सकता है।आय के नए स्रोत बनने की संभावना है ।

विचार

छत्तीसगढ़ के अच्छे कार्यों को देशभर में पहचान

पुनित जैन
लेकख

प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ के नवाचारों, संस्कृति, विरासत और सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर स्थान दिया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गौरव की बात है। इससे छत्तीसगढ़ के अच्छे कार्यों को देशभर में पहचान मिलने के साथ प्रदेश के लोगों का उत्साह भी बढ़ता है।मन की बात' की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को एक सूत्र में जोड़ती है। यह कार्यक्रम नागरिकों को स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, नवाचार, समाजसेवा और राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों के लिए प्रेरित करने के साथ जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है।

'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यतः देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं। स्वस्थ,

समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति देशवासियों के सम्मान, गौरव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की अभिव्यक्ति है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जन-जन का अभियान बन चुका है। ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका और कर्तव्यों का स्मरण कराते हैं।

प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की भी चर्चा की। रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं को योजना के माध्यम से अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और देशभर में करीब 35 लाख महिलाएं इससे जुड़कर अपने छोटे व्यवसायों को नई गति दे रही हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिला न केवल अपने परिवार को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व मनए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है।

विचार

कच्चे तेल पर फिर बढ़ीं मुश्किलें

एम.जी. अरुण,
लेखक

रूस उसका बड़ा सप्लायर बना हुआ है। जून 2026 में भारत के कुल क्रूड आयात में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा 46 फीसदी था और शिपमेंट 87।5 लाख टन। पश्चिम एशिया ने 42 लाख टन की आपूर्ति की और वह दूसरे स्थान पर रहा। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के चौतरफा हमले के बाद से रूसी कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता तेजी से बढ़ी है। पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोपीय खरीदारों के पीछे हटने के कारण मॉस्को को एशियाई रिफाइनरी कंपनियों को रियायती दर पर तेल की पेशकश करनी पड़ी। f

रूसी आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिकी सीनेट में पेश बिल में 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने की धमकी शामिल है। इस कारण भारत की कच्चे तेल की रणनीति और व्यापार संबंधी बातचीत पर फिर से काले बादल मंडरा रहे हैं।रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अमेरिका ने एक बार फिर से भारत पर प्रतिबंधों की तलवार लटका दी है। इस कारण भारत की ऊर्जा रणनीति और वॉशिंगटन के साथ बढ़ते व्यापार रिश्तों में नई अनिश्चितताएं पैदा हो गई हैं। अब 31 अगस्त को यानी आज अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्ज की फिर बैठक होगी तो संभावना यही है कि इसमें दो देशों से जुड़े लिंजी ओ। ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया ऐंड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 पर चर्चा होगी। इस बिल का मकसद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह अधिकार देना है कि वे रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों जैसे भारत, चीन, अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगा सकें। इस विधेयक को अगस्त के पहले हफ्ते में सेनेट यानी ऊपरी सदन ने पहले ही मंजूरी दे दी है। अगर यह कानून बन भी जाता है तो टैरिफ लगाने का फैसला ट्रंप के विवेक पर निर्भर करेगा। बिल जिस समय आ रहा है वह नई दिल्ली के लिए परेशानी वाला है। भारत और अमेरिका अभी भी एक व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, और प्रतिबंधों की नई धमकी से यह सवाल फिर खड़ा हो गया है कि क्या रूस का कच्चा तेल उनके उलझे रिश्तों में सौदेबाजी का सूत्र बन सकता है।भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात करता है और रूस उसका बड़ा सप्लायर बना हुआ है। जून 2026 में भारत के कुल क्रूड आयात में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा 46 फीसदी था और शिपमेंट 87।5 लाख टन। पश्चिम एशिया ने 42 लाख टन की आपूर्ति की और वह दूसरे स्थान पर रहा। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के चौतरफा हमले के बाद से रूसी कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता तेजी से बढ़ी है। पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोपीय खरीदारों के पीछे हटने के कारण मॉस्को को एशियाई रिफाइनरी कंपनियों को रियायती दर पर तेल की पेशकश करनी पड़ी। वित्त वर्ष 2025 में भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर भी रूस रहा, जिसने 56।9 अरब डॉलर (5।4 लाख करोड़ रुपए) का निर्यात किया लेकिन 2025 में जब ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल की खरीद से जुड़े कुछ भारतीय निर्यात पर 25 फीसदी का अतिरिक्त जुर्माना

लगाने का फैसला किया तो रूस से आयात घट गया और वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में यह साल भर पहले की तुलना में 14 फीसदी गिरकर 23।1 अरब डॉलर (2।2 लाख करोड़ रुपए) रह गया। लेकिन इस साल के शुरू में पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद रूसी तेल का रणनीतिक महत्व फिर बढ़ गया क्योंकि जंग ने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की ढुलाई गड़बड़ा दी।

इस तेल गलियारे से वित्त वर्ष 2025 में भारत के तेल और गैस आयात का लगभग आधा हिस्सा आया। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत ऐसे प्रमुख सप्लायर देशों में से हैं जो इस तेल गलियारे पर निर्भर हैं। फरवरी 2026 में वॉशिंगटन ने कुछ समय के लिए अपना रुख नरम किया और भारत को रूसी तेल खरीदते रहने की इजाजत दी, ताकि ग्लोबल एनर्जी मार्केट में स्थिरता बनी रहे और सप्लाइ में बाधा न आए। अब यह छूट कम होती दिख रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला जहाजी यातायात अस्त-व्यस्त है क्योंकि ईरान और अमेरिका की वार्ता का अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इन तनावों का असर तेल की कीमतों पर भी दिखा है। हमलों के बाद ब्रेंट क्रूड के दाम 100 डॉलर (9,550 रुपए) प्रति बैरल से ऊपर चले गए, जो कुछ समय के युद्धविराम के बाद जून में 80 डॉलर (7,650 रुपए) प्रति बैरल से नीचे आ गए। लेकिन अगस्त के मध्य तक ये कीमतें फिर 89 डॉलर (8,500 रुपए) प्रति बैरल तक पहुंच गईं।

निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आइसीआरए (इक्रा) के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड प्रशांत वशिष्ठ कहते हैं, ÷रूसी तेल पर हमारी निर्भरता बहुत ज्यादा है। पिछले साल जब अमेरिका ने 25 फीसदी जुर्माना लगाया था तब भी भारत ने रूस से तेल खरीदना पूरी तरह बंद नहीं किया था।÷ हालांकि भारत ने प्रतिबंध वाली दो रूसी कंपनियों- रोजनेफ्ट और लुकऑयल से खरीद बंद कर दी थी लेकिन दूसरे रूसी सप्लायरों से खरीद जारी रखी। वशिष्ठ कहते हैं, ÷अगर भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाता है तो अब भी ऐसा ही होने के हालात दिख रहे हैं।÷ उनके मुताबिक, चुनौती यह है कि विकल्प सीमित हैं। वे पूछते हैं, ÷जब होर्मुज के रास्ते आयात रुका हो और अमेरिका जैसी जगहों से आयात करना महंगा पड़े तो भारत अपने तेल आयात का प्रबंध कैसे करेगा?÷ आमतौर पर पश्चिम एशियाई कच्चे तेल का ढुलाई खर्च 40-70 सेंट (38-67 रु।) प्रति बैरल होता है, जबकि अमेरिका से शिपमेंट का खर्च 2।5-4 डॉलर (40-380 रुपए) प्रति बैरल तक हो सकता है।सभी एनालिस्ट ऐसा नहीं मानते कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए मजबूर हो जाने की स्थिति में कोई बड़ा आर्थिक झटका लगेगा। कोटक रूसी कच्चे तेल पर छूट काफी घट गई है।

विचार

वीएचपी दखल बदलेगा बंगाल की दुर्गा पूजा का रंग

अर्कमय दत्ता मजूमदार
लेखक

विश्व हिंदू परिषदकी ओर से पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा को लेकर दिए नए सुझावों से आयोजकों के बीच सवाल उठने लगे हैं। संगठन ने कहा है कि अगर पूजा समितियां उसके सुझाव नहीं मानती हैं तो वह ।दखल। दे सकता है। अब आयोजक जानना चाहते हैं कि इस ।दखल का मतलब क्या है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अक्टूबर में होने वाली दुर्गा पूजा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ङ्कक्कक्की ओर से आयोजित एक बैठक में दुर्गा पूजा की ।परंपरा, पवित्रता और धार्मिक गरिमा। पर चर्चा हुई। इस दौरान संगठन ने कई सुझाव दिए। इनमें पूजा की शुरुआत कैसे हो, मूर्तियों को किस तरह रखा जाए, पूजा की थीम कैसी हो, पंडालों के पास किस तरह का खाना बेचा जाए और मूर्तियों का विसर्जन कब हो, जैसे मुद्दे शामिल थे।

सबसे अहम बात तब सामने केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्य स्वामी निगूर्हानन्द से पूछा गया कि उन पूजा समितियों का क्या होगा, जिनकी तैयारियां काफी आगे बढ़ चुकी हैं और जो ङ्कक्कके सुझावों के मुताबिक नहीं हैं। दुर्गा पूजा में अब करीब 50 दिन बाकी हैं और कई पूजा समितियां अपने काम का करीब 40 फीसदी

हिस्सा पूरा कर चुकी हैं। निगूर्हानन्द ने कहा कि बदलाव करने के लिए अभी भी समय है। उन्होंने कहा, ÷अभी भी पर्याप्त समय है कि जो भी सुधार जरूरी हों, उसे किया जा सके लेकिन अगर किसी सुधार की जरूरत है और समिति उसे नहीं करती है तो हम दखल देंगे।÷ हालांकि, इस ।दखल। का मतलब क्या होगा, यह साफ नहीं किया गया। इस साल दुर्गा पूजा अक्टूबर के बीच में होगी और यह बंगाल का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और धार्मिक त्योहार है। अकेले कोलकाता में करीब 4,000 सामुदायिक पूजा होती हैं। बड़े स्तर की पूजा का बजट 1 करोड़ रुपए या उससे ।यादा होता है जबकि मध्यम स्तर की पूजा पर 20 लाख से 50 लाख रुपए तक खर्च होते हैं।

ङ्कक्कके पास सामुदायिक दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर कोई कानूनी अधिकार नहीं है। संगठन ने यह भी साफ नहीं किया कि वह इस मामले को लेकर किस प्रकार की कार्रवाई करेगा। मसलन समझाने की कोशिश करेगा या सार्वजनिक तौर पर विरोध करेगा, अथवा प्रशासन से संपर्क करेगा या किसी और तरीके से दखल देगा। यह साफ न होना इसलिए अहम है क्योंकि कई पूजा समितियां मूर्तियों, थीम, पंडाल के डिजाइन और दूसरी तैयारियों पर पहले ही काफी पैसा खर्च कर चुकी हैं। ऐसे में सांस्कृतिक और धार्मिक संगठनों और पूजा समितियों के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। खासकर तब, जब किसी समिति से मूर्ति बदलने, पंडाल का कोई हिस्सा हटाने या निर्माण शुरू होने के बाद थीम में बदलाव करने को कहा जाए। ङ्कक्कके सुझाव पूजा स्थलों के आसपास परोसे या बेचे जाने वाले खाने तक भी हैं। संगठन ने साफ किया कि वह यह नहीं कह रहा कि बंगाल की दुर्गा पूजा पूरी तरह शाकाहारी होनी चाहिए। इसके बजाय उसने सुझाव दिया कि पंडालों के बाहर मांसाहारी खाना बेचने के लिए अलग जगह तय की जा सकती है।निगूर्हानन्द ने बताया कि उनका जोर इस बात पर है कि देवी की मूर्ति के आसपास की जगह साफ रहे और वहां मांसाहारी खाने का बचा हुआ हिस्सा न हो। उन्होंने कहा, ÷हम बंगाल की संस्कृति या खान-पान की आदतों से अनजान नहीं हैं। बंगाल में दुर्गा पूजा का मतलब कभी भी पूरी तरह शाकाहारी जीवनशैली नहीं रहा है। हमारी चिंता अलग है। देवी की मूर्ति के आसपास की जगह की पवित्रता और सफाई का सम्मान होना चाहिए। मांसाहारी खाना तय जगहों पर बेचा जा सकता है लेकिन उसका बचा हुआ हिस्सा पंडाल में नहीं आना चाहिए और न ही देवी की मूर्ति के आसपास की जगह को गंदा करना चाहिए।÷ ङ्कक्कने दशमी के बाद भी मूर्तियों को लोगों के दर्शन के लिए रखने की परंपरा का भी विरोध किया है। कई पूजा समितियां दशमी के दिन ही विसर्जन करती हैं, लेकिन कोलकाता की कई पुरानी और मशहूर पूजा में देवी की मूर्ति एक दिन और रखी जाती है, ताकि ।यादा श्रद्धालु और लोग दर्शन कर सकें।कि विसर्जन दशमी के दिन ही हो। उसका कहना है कि इस दिन के धार्मिक महत्व को कम नहीं किया जाना चाहिए। ममता बनर्जी की पिछली सरकार के दौरान कोलकाता में एक पूजा कार्निवल आयोजित किया जाता था। इसमें विसर्जन से पहले देवी की मूर्तियों को कोलकाता की रेड लाइट इलाके में लोगों के दर्शन के लिए ले जाया जाता था। जिलों में भी ऐसे कार्यक्रम होते थे।धर्मो जार जार, उत्सव सोबार। यानी ।धर्म निजी है, त्योहार सबका है। की सोच पर भी सवाल उठाया। यह सोच ममता सरकार के साथ काफी जुड़ी रही है। दावा है कि यह नारा बांग्लादेश से लिया गया था। संगठन ने इसके बजाय ।धर्मो जार, उत्सव तार। की बात कही, जिसका मोटे तौर पर मतलब है, ।धर्म व्यक्ति का है और त्योहार भी उसी का है।। निगूर्हानन्द ने कहा, अपने त्योहारों के लिए भी यही उम्मीद रखते हैं।

फिटनेस ट्रेनिंग में करियर

आज फिटनेस ट्रेनर की माँग जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसोर्ट आदि जगहों पर है। कुछ अनुभव लेकर आप स्वयं का फिटनेस सेंटर भी शुरू कर सकते हैं। यहाँ तक कि बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ भी अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर वर्कप्लेस वेलनैस तथा फिटनेस प्रोग्राम का आयोजन करती हैं, जहाँ फिटनेस ट्रेनर की जबर्दस्त माँग होती है।

आज फिटनेस ट्रेनर की माँग जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसोर्ट जैसी तमाम जगहों पर है। कुछ समय का अच्छा अनुभव लेकर आप स्वयं का फिटनेस सेंटर भी शुरू कर सकते हैं। यहाँ तक कि बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ भी अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर वर्कप्लेस वेलनैस तथा फिटनेस प्रोग्राम का आयोजन करती हैं, जहाँ फिटनेस ट्रेनर की जबरदस्त माँग होती है।

फिटनेस इंडस्ट्री आज अपनी चरम पर है। आज भारत में फिटनेस उद्योग 2,000 करोड़ रुपए से भी अधिक पर हिस्सा रखता है। हाई टेक जिम और हेल्थ क्लब ने इसको युवाओं के बीच और अधिक प्रचलित बनाया है। कोर्स के बाद आप इसमें से किसी भी करियर का चुनाव कर सकते हैं

एथलीट ट्रेनर

डाइटिशियन

स्पोर्ट्स कोच

फिजिकल थेरेपिस्ट

कार्य का दायरा

एक फिटनेस ट्रेनर के तौर पर आपको शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ एरोबिक्स, फैलेक्सीबिल्टी ट्रेनिंग, बीएमआई, पोषण तथा ट्रेनिंग से जुड़े समस्त उपकरणों आदि का ज्ञान होना अनिवार्य है। इससे लोगों को सही सलाह देने में आसानी होती है। यदि आपको ये समस्त जानकारी है तो आप उनके शरीर के ढांचे और वजन को देखते हुए उनके लिए एक अच्छी डाइट निर्धारित कर सकते हैं और फिट रहने के लिए उपकरणों के सही प्रयोग के बारे में ज्ञान दे सकते हैं।

एक फिटनेस ट्रेनर को मूलत

- फिटनेस, न्यूट्रिशियन, वेट मैनेजमेंट, स्ट्रैस रिडियूशन, हेल्थ रिस्क मैनेजमेंट आदि जैसे विषयों पर ध्यान देना होता है।
- एरोबिक्स इंस्ट्रक्टर के तौर पर आप वर्कआउट सत्र में एरोबिक्स, स्टेचिंग तथा मसल्स एक्सरसाइस पर ध्यान देते हैं।
- खेल जगत में एथलीट का स्टेमिना बढ़ाने के लिए आप जॉगिंग, वेट लिफ्टिंग, पुशअप जैसे विशेष व्यायामों पर जोर देते हैं।
- यदि आप योग व नैचुरोपैथी एक्सपर्ट हैं तो व्यायाम से रोग-मुक्त रहने के गुर भी सीखाते हैं।
- फिटनेस ट्रेनर के रूप में आपको अच्छी बातचीत और व्यावहारिक कला भी आनी चाहिए क्योंकि आप कई प्रकार के लोगों के संपर्क में आते हैं।

ग्लैमरस करियर फैशन डिजाइनिंग

फैशन का मतलब केवल नए डिजाइन किए हुए कपड़े नहीं बल्कि उसे पहनने के सलीके से लेकर उसमें लगने वाली एसेसरीज आदि भी फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में आती है। फैशन डिजाइनिंग वर्तमान समय में सबसे ज्यादा ग्लैमर प्रोफेशनल है इसलिए फैशन डिजाइनिंग में अच्छे करियर के अवसर हैं।

क्या है फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग व्यावहारिक कला का एक रूप है जो हमारे कपड़ों, एसेसरीज और जीवनशैली में निखार लाती है। फैशन डिजाइनिंग में कपड़ों से लेकर ज्वैलरी तथा पर्स से लेकर शूज तक सभी चीजें आती हैं। डिजाइनर अपने ग्राहक वर्ग की रुचि और जरूरत को समझकर अपने डिजाइन को मौसम और ट्रेंड के मुताबिक मार्केट में उतारता है। आज फैशन जगत में डिजाइनरों की बहुत माँग है। फैशन डिजाइनिंग में क्रिएटीविटी की माँग होती है। फैशन का मतलब केवल नए डिजाइन किए हुए कपड़े नहीं बल्कि उसे पहनने के सलीके से लेकर उसमें लगने वाली एसेसरीज आदि भी फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में आती है। फैशन डिजाइनिंग वर्तमान समय में सबसे ज्यादा ग्लैमर प्रोफेशनल है इसलिए फैशन डिजाइनिंग में अच्छा करियर के अवसर हैं।

कम्युनिकेशन अच्छा होना चाहिए

गत दस वर्षों में इस क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। मुंबई और दिल्ली में सालाना फैशन वीक होने लगे हैं और इसमें नामी-गिरामी फैशन डिजाइनरों के अलावा नवोदित फैशन डिजाइनरों को भी अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका दिया जाता है। इस क्षेत्र में आपको कलात्मक होना जरूरी है। साथ ही आपको लगातार नवीन डिजाइन देने के लिए काफी मेहनत व रिसर्च भी करना पड़ता है। अगर आप कोई कंसेप्ट पर कार्य कर रहे हैं तब इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि

खुद ढूंढें सही दिशा

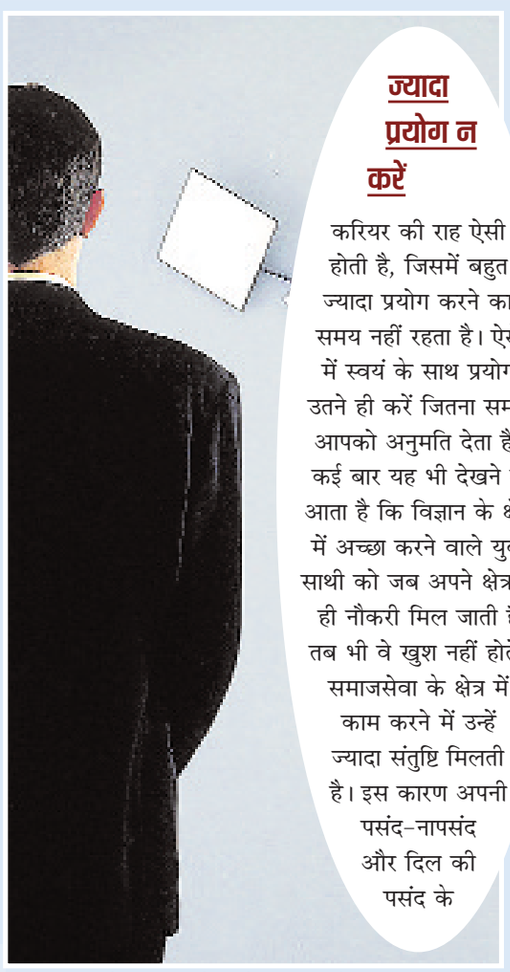

ज्यादा प्रयोग न करें

करियर की राह ऐसी होती है, जिसमें बहुत ज्यादा प्रयोग करने का समय नहीं रहता है। ऐसे में स्वयं के साथ प्रयोग उतने ही करें जितना समय आपको अनुमति देता है। कई बार यह भी देखने में आता है कि विज्ञान के क्षेत्र में अच्छा करने वाले युवा साथी को जब अपने क्षेत्र में ही नौकरी मिल जाती है तब भी वे खुश नहीं होते। समाजसेवा के क्षेत्र में काम करने में उन्हें ज्यादा संतुष्टि मिलती है। इस कारण अपनी पसंद-नापसंद और दिल की पसंद के

युवा साथियों में अक्सर यह समस्या देखने में आती है कि वे नौकरी लगने के बाद भी इस कंन्फयूज रहते हैं कि क्या उन्होंने जो करियर का रास्ता चुना है वह सही है कि नहीं? वे दुविधा भरी स्थिति में रहते हैं और उन्हें दूसरे क्षेत्र आकर्षित करते हैं। इसका असर उनके काम और सोशल लाइफ पर पड़ता है। ऐसे साथी कई बार जोश में गलत निर्णय भी ले लेते हैं और बाद में पछताते हैं। इस समस्या का वैसे हल भी उन्हीं के पास रहता है।

अपनी पसंद जानें-

कई बार यह भी देखने में आता है कि युवा साथी यह जान ही नहीं पाते कि वे किस क्षेत्र के लिए बने हैं। समय विचार करने के लिए मिलता तो शायद अच्छा होता।

भेड़ चाल में न फँसें-

दोस्ती यारी के बिना कॉलेज लाइफ की कल्पना ही नहीं की जा सकती। दोस्तों से करियर संबंधी मशविरा या राय लेना अच्छी बात है और यह होता भी है। परंतु जो दोस्त कर रहा है वही कोर्स आप भी करें ऐसा किसने कहा है। दोस्ती की भावनाएँ अपनी जगह हैं और आपका करियर अपनी जगह है। ऐसे में जो दोस्त कर रहे हैं वही मैं करूँगा ऐसा कभी न करना। इस भेड़ चाल में अगर आप फँस गए तब निकलने का काफी बड़ा मूल्य चुकाना पड़ेगा।

सफल व्यक्तियों को करीब से जानें- स्वयं के करियर को दिशा देने के पहले ऐसे व्यक्तियों से जरूर मिल लें जो आपकी पसंद के क्षेत्र के सफल व्यक्ति हैं। ऐसे व्यक्तियों से मिलने से आपकेमन के कई भ्रम दूर हो जाएँगे। हम कई बार अपने पसंद के करियर को लेकर भ्रम पाल लेते हैं कि इसमें काफी नाम है या पैसा है। सफल व्यक्ति इस संबंध में आपको यह भी बता देंगे कि नाम या पैसा कमाने के लिए किसी भी तरह का शॉर्ट कट नहीं कला में रुचि रखने वाले युवा साथी अगर मेथ्य या फिजिक्स में हाथ आजमाएँगे तो सफलता कैसे मिलेगी? सफलता मिल भी गई तब वह दिल को अच्छी नहीं लगेगी और परिणामस्वरूप उसे यह लगने लगता है कि जो भी निर्णय लिया वह गलत लिया और थोड़ा समय विचार करने के लिए मिलता तो शायद अच्छा होता।

भेड़ चाल में न फँसें-

दोस्ती यारी के बिना कॉलेज लाइफ की कल्पना ही नहीं की जा सकती। दोस्तों से करियर संबंधी मशविरा या राय होता है और आपको मेहनत तो करना ही पड़ेगी। पर इन सफल व्यक्तियों से मिलने के बाद आपको यह जरूर एहसास होगा कि सफलता प्राप्ति के लिए किन राहों से गुजरना पड़ता है।

माइंड योर बॉडी लैंग्वेज

सक्सेस केवल अच्छी नॉलेज रखने या स्किल्स पाने में नहीं है। आप तब तक सक्सेस नहीं पा सकते जब तक आपका खुद को एक्सप्रेस करने का तरीका सही नहीं है। प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल लाइफ इंपॉर्टेंट यह नहीं है कि आप क्या कहते हैं, बल्कि यह ज्यादा इंपॉर्टेंट है कि आप उसे किस तरह कहते हैं हमेशा मुस्कराते रहें। जो लोग अपने बारे में अच्छा सोचते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज अक्सर बेहतर होती है। सार्वजनिक जीवन जीने वालों के लिए ही नहीं बलकि दफ्तर में काम करने वालों के लिए भी एटिट्यूड बड़ी काम की चीज है। इसलिए जब भी आप किसी से बात करें तो बॉडी लैंग्वेज पर जरूर ध्यान दें।

कुछ खास बातें

- चाहे बॉस हो या कलीग हमेशा आई कॉन्टैक्ट रखकर बातें करें।
- खुली हथेलियाँ गंभीरता और ग्राह्यता को दर्शाती हैं
- करीब रहकर बात करना यानी रुचि लेना और दूर होने का मतलब है बातचीत में ध्यान नहीं होना।
- आराम मुद्रा का मतलब है कि आप संवाद के लिए तैयार हैं।
- ऑफिस में हाथ बाँधकर खड़ा नहीं होना चाहिए, यह विरोध का संकेत है।
- हाथ हिलाकर बातचीत करने से समझा जाता है कि आप बड़ी रुचि से बातें कर रहे हैं।

डायटीशियन अपार संभावनाएँ

मौजूदा वक्त में डायटीशियन के पेशे में अपार संभावनाएँ हैं, क्योंकि लोग अपनी सेहत को लेकर बहुत सजग हो रहे हैं। युवतियों के लिए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प है, क्योंकि आय के साथ-साथ उन्हें अपने परिवार के साथ भी

किसी समय में यह महिलाओं एवं युवतियों का ही कार्यक्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब पुरुष भी इस करियर में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इन दिनों फिटनेस सेंटर, हेल्थ क्लबों और स्पा के प्रति सभी वर्गों का रुझान बढ़ा है। इन सेंटरों पर डायटीशियन फिटनेस स्तर को बनाए रखने के लिए डाइट (आहार संबंधी) परामर्श देने के लिए नियुक्त किए जाते हैं।

सरकारी एजेंसियों में अवसर

डायटीशियंस के लिए ऐसी सरकारी और गैरसरकारी एजेंसियों के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं, जो संतुलित आहार लेने और कुपोषण पर काम कर रही हैं। अस्पतालों और क्लिनिकों के अलावा डायटीशियन रक्षा प्रतिष्ठानों, शिक्षण संस्थानों, हॉस्टल और कंपनियों या फैक्ट्रियों में चलने वाली बड़ी-बड़ी कैंटीनों में काम कर सकते हैं। वहाँ उन्हें दिए गए एक निश्चित बजट के भीतर स्वादिष्ट, पौष्टिक व संतुलित भोजन कैसे बन सकता है, इसकी जानकारी प्रदान करनी होती है। फिटनेस सेंटर जहाँ खिलाड़ी, मॉडल या फिट रहने के इच्छुक लोग जाते हैं, वहाँ भी डायटीशियनों की बहुत जरूरत होती है।

फ्रीलांसर राइटर

डायटीशियन एक फ्रीलांसर या राइटर के तौर पर भी रोजगार अर्जित कर सकता है। अगर आप में लिखने की प्रतिभा है, तो आप इस विषय पर पुस्तकें लिख सकते हैं, किसी अखबार में कालम लिख सकते हैं या पौष्टिकता से भरपूर पकवानों के बारे में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर जानकारी दे सकते हैं।

वेतन

मौजूदा वक्त में डायटीशियनों को बहुत अच्छा वेतन मिल रहा है। किसी हैल्थ क्लब या स्पा सेंटर पर पार्ट टाइम काम में प्रति माह दस से 25 हजार रुपए तक कमाए जा सकते हैं। बड़े अस्पतालों में भी 25 हजार रुपए मासिक से शुरुआत होती है। यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करते हैं तो मनचाहा पारिश्रमिक प्राप्त किया जा सकता है।

न्यूज इन शॉर्ट

जनता का सेवा करने से मिलती है आत्मिक सुख- त्रिलोक चंद्र श्रीवास,

बिलासपुर। ग्राम मानिकपुर में सी. सी. रोड एवं रनिंग वाटर कार्य का भूमि पूजन कार्य संपन्न आम जनमानस चाहे वह शहरी हो चाहे ग्रामीण जनमानस हो उनके सेवा करने से उनके क्षेत्र के विकास के कार्यों में सहभागि बनने से उनके सुख-दुख में हाथ बटाने से आत्मिक सुख मिलता है, एक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी भी यही बनती है कि अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास करता रहे, यह बातें मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मानिकपुर में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता त्रिलोक चंद्र श्रीवास, राष्ट्रीय समन्वयक - अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, मार्गदर्शक- जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक - 3, ने सी. सी. रोड निर्माण कार्य एवं रनिंग वाटर निर्माण कार्य के भूमि पूजन कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये, इस अवसर पर कार्यक्रम की विशिष्ट तिथि के रूप में क्षेत्रीय जनपद सदस्य, जनपद पंचायत बिल्हा की सभापति रामादेवी मौर्य कांग्रेस नेता महेश मिश्रा एवं अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच ने किया, इस अवसर पर मोहन जायसवाल प्रकाश सिंह ठाकुर सौरभ मौर्य वसंत मरकाम अनिल केवट रठलाल केवट श्याम सुंदर

अजीत यादव धर्मेंद्र सोनी जितेंद्र शर्मा शुभम श्रीवास सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे

राखी के धागे के साथ ज्ञान का उपहार-बहनों के लिए कलेक्टर और DIG/SSP ने भेंट की अध्ययन सामग्री

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में आर्यन फ़िल्म टीम द्वारा बुके नहीं, बुक भेंट कर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य औपचारिक बुके की जगह किताबें, कॉपी-पेन एवं अध्ययन सामग्री भेंट कर शिक्षा और ज्ञान को प्रोत्साहित करना है।
इसी क्रम में बिलासपुर रजनेश सिंह द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के लिए उपहार स्वरूप कॉपी, पेन एवं अध्ययन सामग्री आर्यन फ़िल्म टीम को प्रदान की गई। यह सामग्री आर्यन फ़िल्म की टीम द्वारा स्कूलों में पहुंचकर बहनों के बीच वितरित की जाएगी। इस अवसर पर आर्यन फ़िल्म की ओर से डायरेक्टर रामा नन्द तिवारी, दिनेश चंदानी (होटल बंशीवाला), उमा शंकर पाण्डेय (सनी मनीष भटेजा, जीतेन्द्र सिदार एवं रवि सहित टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

हाथी का कहर, जंगल गए ग्रामीण को मार डाला

सूरजपुर- जंगल में काम करने गए एक ग्रामीण की जिंदगी दर्दनाक तरीके से खत्म हो गई, जब अचानक उसका सामना एक जंगली हाथी से हो गया। हाथी ने ग्रामीण पर हमला कर उसे कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।दरअसल, यह पूरा मामला प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम जजावल का है। बताया जा रहा है कि, ग्रामीण जंगल में काम के सिलसिले में गया था। इसी दौरान अचानक उसका सामना हाथी से हो गया। इससे पहले कि, ग्रामीण कुछ समझ पाता, हाथी ने उस पर हमला कर दिया और उसे कुचल दिया।घटना के बाद जंगल से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना संबंधित लोगों और वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी।
हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत की खबर फैलते ही

जबरदसती कीटनासक पिलाकर हत्या फ़सल चरने को लेकर हुआ था विवाद अपचारी सहित आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

खेत के फसल को चरने की मामूली बात को लेकर जबरदस्ती कीटनाशक सेवन कराकर हत्या करने वाले आरोपियों को हिर्री पुलिस ने किया गिरफ्तार सभी आरोपियों को ज्युडिषियल रिमाण्ड पर भेजा गय । अपराध क्रमांक 229/2026
धारा - 103(1), 3(5) बीएनएस
दिनांक घटना समय:- 27.08.2026 के 07:45 बजे
घटना स्थल :- ग्राम मुरू खरकेना मार्ग थाना हिर्री जिला बिलासपुर
आरोपी:- 1. गोलू उर्फ जगजीवन पठारी पिता जगदीश पठारी उम्र 31 साल साकिन मुरू
2. मनमोहन पठारी पिता जगदीश पठारी उम्र 30 साल साकिन मुरू
3. संदीप यादव पिता सत्तू यादव उम्र 21 साल साकिन पथराली थाना हिर्री
4. राकेश निर्मलकर पिता अश्वनी निर्मलकर उम्र 26 साल साकिन अमसेना थाना हिर्री

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि मर्ग क्रमांक 35/26 धारा 194 बीएनएसएस के मृतक राजू निर्मलकर पिता कोदू निर्मलकर उम्र 58 वर्ष साकिन पथराली थाना हिर्री जिला बिलासपुर के मर्ग जांच पर मृतक की पत्नी शीला निर्मलकर पति राजू निर्मलकर उम्र 55 वर्ष साकिन पथराली का कथन, घटना स्थल का निरीक्षण, मर्ग इंटीमेशन पंचनामा कार्यवाही के अवलोकन पर पाया गया कि खेत की फसल को चराने की बात को लेकर आरोपियों द्वारा मृतक को पकड़कर कीटनाशक दवाई को जबरदस्ती पिला कर हत्या करना पाये जाने से अपराध क्रमांक 229/2026 धारा 103(1),3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये सूचना उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण मधुलिका सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय चकरभाठा राजेश जोशी से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर थाना प्रभारी हिर्री निरीक्षक दामोदर प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में टीम तैयार कर प्रकरण के आरोपियों की तलाश कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर अपराध धारा सदर का जुर्म करना स्वीकार किये हैं। आरोपी गोलू उर्फ जगजीवन पठारी का मेमोरण्डम कथन लिया गया जिसमें वह जुर्म स्वीकार करते हुये हत्या करने की नियत से अपने साथियों के साथ मिलकर मृतक को कीटनाशक औषधि पिलाना एवं डिब्बे को घटना स्थल के पास झाड़ियों में छिपाना बताया। आरोपी 1. गोलू उर्फ जगजीवन पठारी पिता जगदीश पठारी उम्र 31 साल साकिन मुरू 2. मनमोहन पठारी पिता जगदीश पठारी उम्र 30 साल साकिन मुरू 3. संदीप यादव पिता सत्तू यादव उम्र 21 साल साकिन पथराली थाना हिर्री 4. राकेश निर्मलकर पिता अश्वनी निर्मलकर उम्र 26 साल साकिन अमसेना थाना हिर्री एवं विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

नाबालिक बालिका से दुष्कर्म का आरोपी 24 घंटे मे धरा गया

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

सीपत पुलिस की त्वरित कार्यवाही नाबालिक बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार आरोपी को पाक्सो एक्ट की धारा में भेजा गया न्यायिक रिमांड पर
गिरफ्तार आरोपी- लक्ष्मी नाराया यादव पिता मनमोहन यादव उम्र 26 साल निवासी कौडिया बंधवापारा थाना सीपत जिला बिलासपुर छ0ग0
मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 27.08.2026 को प्रार्थिया/पीडिता थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पर से रिपोर्ट कराया कि पीडिता के साथ आरोपी लक्ष्मी नारायण यादव के द्वारा पीडिता के घर के बाथरूम में घुसकर जबरदस्ती पीडिता के साथ दुष्कर्म किया है, पीडिता कि रिपोर्ट पर आरोपी लक्ष्मी नारायण यादव के विरूद्ध अपराध क्रमांक 470/2026 धारा 64(2)(एम) बीएनएस 4, 6 पाक्सो एक्ट बीएनएस दर्ज कर विवेचना मे लिया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक एवम् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के द्वारा महिला एवं बच्चो से सम्बधित अपराध में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत त्वरित एवं सक्त कार्यवाही करने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है जिसके पालन में थाना प्रभारी सीपत द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण के आरोपी लक्ष्मी नारायण यादव की पता साजी कर उसके सकुनत से हिरासत में लेकर थाना लाया गया, पूछताछ बाद आरोपी लक्ष्मी नारायण यादव द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

तलवार एवं चापड़ से आम लोगो को डराने धमकाने तथा शांति भंग करने वाले को सीपत पुलिस ने भेजा जेल

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि इस प्रकार है कि सूचना मिला की ग्राम बिटकुला के हरदुली पारा में कलेश्वर सूर्यवंशी के घर के सामने गली में आरोपी दिनेश कोराम एवं शरद पटेल के द्वारा धारदार हथियार (तलवार एवं चापड) रखकर कलेश्वर सूर्यवंशी एवं उसके घर वालों को मारने, पीटने के लिए डराते हुए धारदार हथियार (तलवार एवं चापड) को लहरा रहे है कि सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी सीपत के द्वारा आरोपी दिनेश कोराम एवं शरद पटेल को पकडने के निर्देश मिलने पर आरोपी दिनेश कोराम एवं शरद पटेल को घेरा बंदी कर पकड कर हिरासत में लिया गया तथा आरोपी दिनेश कोराम से एक धारादार लोहे का तलवार एवं आरोपी शरद पटेल से एक लोहे का धारदार चापड को जप्त किया गया है। आरोपी 1. दिनेश कोराम पिता अवधराम कोराम उम्र 20 साल 2. शरद पटेल पिता संतराम पटेल उम्र 25 साल दोनो निवासी बिटकुला थाना सीपत जिला बिलासपुर छ0ग0 के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

आम जगह पर धारदार चाकू दिखा दादागिरी करने वाला आरोपी चढ़ा सरकंडा पुलिस के हत्थे

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

मामले का विवरण- पुलिस उप महानिरीक्षक एवम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज पटेल, नगर पुलिस अधीक्षक सरकंडा तिलेश्वर प्रसाद यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप आर्य के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरकंडा पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 29.08.2026 को गश्त व टाउन भ्रमण के दौरान पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि लक्ष्मी चौक चिंगराजपारा में एक व्यक्ति हाथ में तेज धारदार बटनदार चाकू लेकर आम लोगों व अपने परिवार के सदस्यों को डरा-धमका रहा है कि सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को पकड़ा व हिरासत में लिया। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम मोहन कोसले पिता रतन लाल कोसले, उम्र 18 वर्ष 10 माह, निवासी गुरुघासीदास चौक, चिंगराजपारा, सरकंडा बिलासपुर बताया एवं उसके कब्जे से 01 नग स्टील का बटनदार चाकू विधिवत जप्त किया गया। आरोपी द्वारा सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से धारदार चाकू लहराकर आम जन को डराने-धमकाने पर तथा चाकू के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 1294 / 2026 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है एवं माननीय न्यायालय बिलासपुर के समक्ष न्यायिक रिमांड हेतु पेश किया जा रहा है।

ब्लॉक अध्यक्ष लोचन प्रसाद चंद्रा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने सेवा पुस्तिका संधारण को लेकर सौंपा ज्ञापन

एक सत बुलेटिन ➤ जैजैपुर,

विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाओं का नियमित संधारण नहीं होने से शिक्षकों को सेवा संबंधी कार्यों एवं अभिलेखों को लेकर लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, ब्लॉक इकाई जैजैपुर द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष लोचन प्रसाद चंद्रा के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी, जैजैपुर को दिनांक 24 अगस्त 2026 को ज्ञापन सौंपा गया।

एसोसिएशन ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाओं का नियमित एवं अद्यतन संधारण नहीं होने के कारण सेवा संबंधी प्रविष्टियों, अभिलेखों तथा अन्य आवश्यक कार्यों के समय अनेक प्रकार की कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इस संबंध में संगठन द्वारा पूर्व में भी बीईओ कार्यालय में कई बार मौखिक रूप से निवेदन किया जा चुका है, बावजूद इसके समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।
संगठन ने मांग की है कि संबंधित शिक्षकों की सूची के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेज मंगाकर 30 अगस्त 2026 तक विकासखंड स्तर पर जांच एवं आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जाए तथा 15 सितंबर 2026 तक लेखा संपरिक्षक से सत्यापन कराया जाए।
एसोसिएशन का कहना है कि सेवा पुस्तिका प्रत्येक शिक्षक के सेवाकाल का महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेख है। इसमें नियुक्ति, पदोन्नति, वेतन निर्धारण, सेवा अवधि सहित विभिन्न महत्वपूर्ण सेवा संबंधी प्रविष्टियां दर्ज होती हैं। इसलिए इसका नियमित एवं व्यवस्थित संधारण किया जाना अत्यंत आवश्यक है।
संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि शिक्षक हित एवं प्रशासनिक पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित समय-सीमा में सेवा पुस्तिकाओं के संधारण एवं सत्यापन का कार्य पूर्ण किया जाए। निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में संगठन द्वारा शिक्षक हित में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।
ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ब्लॉक इकाई जैजैपुर के ब्लॉक अध्यक्ष लोचन प्रसाद चंद्रा, सचिव लोकेश्वर चंद्रा, भागीरथी चंद्रा कोषाध्यक्ष, उत्तम चंद्रा,इंद्र कुमार खुटियारे, श्रीमती चितरंजू चंद्रा, रामेश्वर चंद्रा एवं फिरतू यादव सहित संगठन के पदाधिकारी एवं शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

नई शुरुआत

29 अगस्त से 1 सितंबर तक जशपुर में 'चेकमेट एट जशपुर 2026

जशपुर मे अखिल भारतीय फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज जशपुर में पहली बार आयोजित 'चेकमेट एट जशपुर - अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता 2026' का शुभारंभ किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जशपुर जिला शतरंज संघ द्वारा 29 अगस्त से 1 सितम्बर तक जशपुर के पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। इसमें देशभर के 12 राज्यों के 175 खिलाड़ी और कोच भागीदारी कर रहे हैं।
उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। शतरंज हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। यह जीवन में धैर्य रखना, कोई कदम आगे बढ़ाने से पहले सोचना और निर्णय लेने की सीख देती है। कठिन समय में धैर्य न खोना, एकाग्रता बनाए रखना, सोच-समझकर आगे चलना और हर चुनौती का सामना करना शतरंज सिखाती है। इसके 64 खानों और 32 मोहरो में जीवन का सीख छिपा है।
वनवासी कल्याण आश्रम के योगेश बापट, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं कोच बड़ी संख्या में शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित थे।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।